सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹109708/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹133990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹146262/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026

हरिभूमि- आईएनएच का जिला संवाद पेंड्रा में आज

डॉ हिमांशु द्विवेदी

गुरु खुशवंत साहेब

अटल श्रीवास्तव

प्रणव मरपच्ची

विकास योजनाओं और क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन

अमित जोगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर गौरेला- पेंड्रा-मरवाही जिले में चल रही विकास योजनाओं और क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन के लिए जिला संवाद- 2026 का आयोजन 6 जुलाई को होगा। मल्टीपर्पस स्कूल पेंड्रारोड के असेंबली हाल में दोपहर एक बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी जिले के जनप्रतिनिधियों से सवाल करेंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कोटा क्षेत्र के विधायक अटल श्रीवास्तव, मरवाही के विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची, पूर्व विधायक डॉ. के के ध्रुव, पूर्व विधायक अमित जोगी, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, नगरपालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे, नगर पंचायत पेंड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान, जिला भाजपा अध्यक्ष लाल जी यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती गजमती भानु सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में जनता के साथ सीधा संवाद भी होगा, जिसमें लोग अपने जनप्रतिनिधि से सवाल कर सकेंगे।

हरिभूमि आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में ज्वलंत मुद्दों पर जोरदार चर्चा

कांग्रेस ने विकास के नाम पर किया भ्रष्टाचार, जन-जन तक योजनाओं को पहुंचा रही भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद रविवार को महासमुंद में हुआ। जिले के विकास, विजन और ज्वलंत मुद्दों पर जीवंत संवाद हुआ। कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के तीखे सवालों के जनप्रतिनिधियों ने जवाब दिए। अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने जिले के विकास और उपलब्धियों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विकास के नाम पर भ्रष्टाचार किया। भाजपा की विष्णुदेव सरकार जन-जन तक विकास पहुंचाने का काम कर रही है। श्री बघेल ने जिले और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर भी बेबाकी से बात की। कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के प्रतिनिधियों के शामिल होने से कार्यक्रम में खुलकर जिले के मुद्दे और समाधान सामने आए। जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। पेश है हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के सवाल और मंत्री दयालदास बघेल और महासमुंद की सांसद रूपकुमारी चौधरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास और सांसद चौधरी ने की विकास-योजनाओं पर बात

यादव ने साधा सरकार पर निशाना: कांग्रेस विधायक और महासमुंद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने नकटी में विधायक आवास के लिए मकान तोड़े जाने पर कहा कि साय सरकार कैसे चल रही है, यह इस घटनाक्रम से साफ होता है। गरीबों के मकान पर ▶▶| शेष पेज 6 पर

सांसद से बेबाक सवाल

▶ विधायक के बाद संसदीय सचिव और फिर अब सांसद। किसमें आराम ज्यादा है?

सांसद रुपकुमारी चौधरी: निश्चित रुप से विधायक, संसदीय सचिव और अब सांसद के रुप में कार्य रही। विधानसभा क्षेत्र छोटा होता था और लोगों से जुड़ाव ज्यादा। विधानसभा में काम करते हुए लोगों की बात को समझने और काम करने का मौका मिला। तीन जिले महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी 350 किमी का क्षेत्र जिसमें सफर में ज्यादा समय निकलता है लेकिन, इस तरह से भी जनसेवा करने का अपना मजा है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

खूंटी पर तंबूरा !

देश-विदेश में छग की कला संस्कृति को बुलंद करने वाली तीजन बाई नहीं रहीं

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सीएम समेत देश ने किया शोक व्यक्त

दुनिया को सम्मोहित करने वालीं सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और गुरु तीजन बाई नहीं रहीं। पिछले लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं महीनेभर से एम्स अस्पताल में भर्ती तीजन बाई ने रविवार अलसुबह अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम गनियारी में गमगीन माहौल में राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

पंडवानी की स्वर साम्राज्ञी पंचतत्व में विलीन

दो साल से पैरालाइस अटैक से बिस्तर पर थीं लोक गायिका तीजन बाई

छग और देश के कला संसार की अपूर्णीय क्षति

जन्म
24 अप्रैल 1956

निधन
5 जुलाई 2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अंचल के सैकड़ों लोगों ने उन्हें अश्रुपूरित आंखों से विदाई दी। देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म अलंकरण के तीनों संस्करण से विभूषित छत्तीसगढ़ की एकमात्र कलाकार के अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के प्रतिनधि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव व सांसद विजय बघेल और ग्रामवासियों सहित कला,संस्कृति जगत के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम विष्णुदेव साय ने भी उनके निधन को छग और देश के कला संसार की अपूर्णीय क्षति बताते हुए गहरा शोक जताया है।

छह दशक से अपने अनूठे कापालिक शैली के पंडवानी गायन के माध्यम से देश विदेश में औद्योगिक तीर्थ व छत्तीसगढ़ का नाम आलोकित करने वालीं तीजन बाई दो साल से पैरालाइस अटैक से ▶▶|शेष पेज 6 पर

हमारे दिलों में गूंजती रहेगी आवाज : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक जताया। सोशल मीडिया पोस्ट में श्रद्धांजलि देते हुए श्री साय ने कहा, आपने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया, आपकी अमर आवाज़ हमेशा हमारे दिलों में गूंजती रहेगी।

माटी के चोला....

कलाकारों ने तीजन बाई के प्रिय लोक भजन ए माटी के चोला .... गाकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। उनकी पार्थिव काया पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, भिलाई तीन चरौदा के मेयर निर्मल कोसरे, छालीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता व धरसींवा विधायक अनुज शर्मा आदि ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पंडवानी गायिका तीजन बाई के अंतिम संस्कार के पूर्व उनके सम्मान में गार्ड आफ आंनर दिया गया। शास के प्रतिनिधि कलेक्टर सिंह, आईजी व संभागायुक्त राठौर, एसपी अग्रवाल तीजन के देह में लिपटे तिरंगे को परिजनों को सौंप भावभीनी श्रद्धाजलि दी।

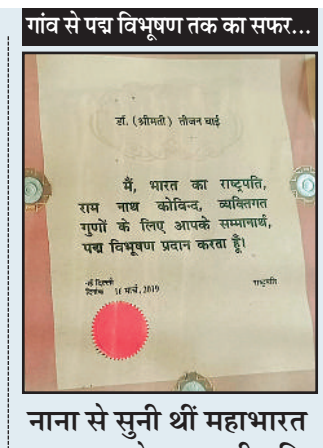

गांव से पद्म विभूषण तक का सफर...

नाना से सुनी थीं महाभारत कथा, उसके बाद बढ़ी रुचि

पंडवानी गायन के लिए झेला सामाजिक बहिष्कार

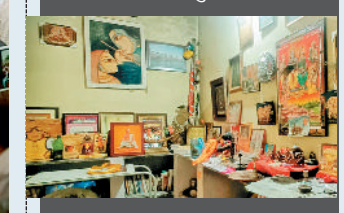

पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर स्थान दिलाने वालीं तीजनबाई का जन्म वर्ष 1956 में दुर्ग जिले के अटारी गांव में पारधी समुदाय के एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता

का नाम छुनुकलाल पारधी और मां का नाम सुखवती देवी था। बचपन में उन्होंने अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनीं और वहीं से पंडवानी के प्रति उनका लगाव शुरू हुआ। उस दौर में महिलाओं के लिए पंडवानी की कापालिक शैली में प्रस्तुति देना सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं था। जब तीजनबाई ने परंपरा को तोड़ते हुए मंच पर खड़े होकर अभिनय के साथ पंडवानी गाना शुरू किया, तो समाज ने उनका बहिष्कार तक कर दिया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कला ▶▶|शेष पेज 6 पर

शिकारियों को मदद देने के आरोप में इंद्रावती टाइगर रिजर्व का चौकीदार गिरफ्तार

बाघ की खाल तस्करी में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली, अफसर हैरान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार के साथ खाल तस्करी प्रकरण में एंटी पोचिंग तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व ने तीसरी खाल भी जब्त कर ली है। एक बाघ की खाल की और जब्ती होनी बाकी है।

- एंटी पोचिंग स्क्वॉड, आईटीआर की टीम ने बाघ के तीसरी खाल जब्त की

खाल जब्ती के साथ ही टीम ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व के एक चौकीदार को भी अरेस्ट किया है। सूत्रों ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि बाघ की खाल तस्करी करने के आरोप में टीम ने महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया है।

बाघ खाल के साथ कंकाल तस्करी करने के आरोप में वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल, यूएसटीआर की एंटी पोचिंग स्क्वॉड, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के साथ पुलिस की संयुक्त टीम बाघ आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र पुलिस के दो जवान भी शामिल रहे हैं। अब तक जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। उन लोगों के सिंडिकेट से जुड़े अन्य साथियों की पतासाजी की जा रही है। इसके लिए वन विभाग अपने मुखबिर तंत्र की मदद ले रहा है। बाघ खाल तथा कंकाल तस्करी के पूरे प्रकरण की इंद्रावती टाइगर रिजर्व के अफसर ▶▶|शेष पेज 6 पर

अपराध में पहली बार आत्मसमर्पित नक्सली शामिल

बाघ की खाल तस्करी से जुड़े प्रकरण में महाराष्ट्र के आत्मसमर्पित नक्सलियों के शामिल होने की बात पहली बार सामने आई है। इसके पूर्व महाराष्ट्र के साथ छत्तीसगढ़ के जो आत्मसमर्पित नक्सली हैं, उनका अब तक उनका नाम किसी वन अपराध में नहीं आया है। पूर्व में जो माओवाद से जुड़े रहे हैं, उन्हें जंगल की अच्छी जानकारी है। आशंका जताई जा रही है, इसी बात का फायदा उठाकर बाघ के साथ अन्य वन्यजीवों की खाल तथा अंगों की तस्करी करने वाले पैसों की लालच देकर आत्मसमर्पित नक्सलियों की मदद ले रहे हैं।

पुख्ता व्यवस्था करेंगे

इंद्रावती टाइगर रिजर्व के साथ अन्य टाइगर रिजर्व तथा जिन क्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट रहता है, उन क्षेत्रों में गश्त और तेज की जाएगी। मुखबिर तंत्र को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा एंटी स्नेयर वॉक की मदद से जंगल को फंदामुक्त कर शिकार तथा तस्करी पर लगाम लगाई जाएगी।

- अरुण पाण्डेय वनबल प्रमुख

चिंतन शिविर से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री

चिंतन शिविर शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दीर्घकालिक रणनीति, सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप प्रशासनिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन ▶▶|शेष पेज 6 पर

शासन को तकनीक से नागरिक केंद्रित बनाएं

'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज' विषय पर नीति आयोग के सदस्य अभय करंदीकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी, ड्रोन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन तथा डेटा-आधारित प्रशासन की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया जा सकता है। साथ ही डिजिटल समावेशन, नवाचार, रोजगार सृजन और सेवा वितरण में छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्ध व्यापक अवसरों का भी उल्लेख किया।

पत्थर खदान धंसी, चट्टान में दबकर दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले में अवैध रूप से संचालित खदान में मिट्टी मलबा और बड़ा चट्टान गिरने से दो युवकों की दबकर मौत हो गई। ग्रामीण खदान से गिट्टी के लिए पत्थर निकालने गए हुए थे। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व प्रशासनिक टीम ने ग्रामीणों की मदद ▶▶|शेष पेज 6 पर

की जाएगी जांच

सुबह लाची गांव में खदान से पत्थर निकालने के दौरान दो युवक दब गए थे। सूचना के बाद पहुंची टीम ने दोनों शवों को बरामद किया है। खनन के मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

-सूर्यकांत साय, तहसीलदार, सूरजपुर

अवैध रूप से हो रहा संचालन

जिस पत्थर खदान के धंसने से दो युवकों की मौत हुई वह पूर्ण रूप से अवैध है। इस खदान से प्रतिदिन बेतरतीब व असुरक्षित तरीके से बोल्डर निकालने का काम किया जाता है लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमरनाथ गुफा के लिए एक और जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से 6,700 से अधिक श्रद्धालुओं का एक नया जत्था दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच रविवार तड़के रवाना हुआ। 1,310 महिलाओं और 22 बच्चों समेत श्रद्धालुओं का यह जत्था दो अलग-अलग काफिलों में तड़के तीन बजे और तीन बजकर 40 मिनट पर जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को जम्मू से यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। उसके बाद जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना होने वाला श्रद्धालुओं का यह चौथा जत्था है।

सरकार ने थमाया नोटिस, 7 दिनों में देना होगा जवाब

इंस्टाग्राम विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर सरकार ने सख्त तेवर दिखाए हैं। पहले यूजरनेम पर व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर कड़ा एक्शन लिया। अब सरकार ने इंस्टाग्राम पर 'पेड' विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े वीडियो और अन्य सामाग्रियों को लेकर मेटा को कड़े शब्दों में नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने यह नोटिस शनिवार शाम को जारी किया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को उन सभी विज्ञापनों और सामाग्रियों को हटाने का आदेश दिया है जो बच्चों के यौन शोषण और ▶▶|शेष पेज 6 पर

सरकार ने इंस्टाग्राम पर 'पेड' विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े वीडियो और अन्य सामाग्रियों को लेकर मेटा को कड़े शब्दों में जारी किया नोटिस

मंत्रालय ने रिपोर्ट के बाद उठाया कदम

मंत्रालय का यह ताजा कदम बीबीसी की एक रिपोर्ट के बाद आया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि मेटा का 'रिकमेंडेशन एल्गोरिदम' बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्री वाले वीडियो को बढ़ावा दे रहा था, जिससे सुरक्षा उपायों में गंभीर कमियां उजागर हुईं। जांच में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस तरह के विज्ञापन भी देखे गए।

सरकार ने मांगा जवाब

मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, सरकार यह जानना चाहेगी कि ऐसे विज्ञापनों को कैसे मंजूरी दी गई, आरोपों के सामने आने के बाद मेटा ने क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वह क्या सुरक्षा उपाय करने की योजना बना रही है।

भारत सरकार की खरी-खरी

भारत सरकार ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी ऑनलाइन सामाग्री के मामले में 'बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाई है। ऑनलाइन मंच को ऐसी सामाग्री का तुरंत पता लगाने, उसे हटाने और उसकी रिपोर्ट करने के साथ-साथ डिजिटल परिवेश में बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत उपाय करने की जरूरत है।

मेटा ने दी सफाई

इंस्टाग्राम विवाद पर मेटा की सफाई सामने आई है। मेटा ने रविवार को कहा कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को मांगने या शेयर करने, जिसमें विज्ञापन भी शामिल हैं, के मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाता है। कंपनी का कहना है कि वह नियमों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट का पहले से पता लगाने और उसे हटाने के लिए एडवांस्ड एआई तकनीक का इस्तेमाल करती है।

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A part of aisect india

Bilaspur, Chhattisgarh

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | NAAC Accredited University

JOIN A NAAC 'A' GRADE UNIVERSITY

AI ENABLED CAMPUS WITH GLOBAL OPPORTUNITIES

3800 Students Placed (Last 5 years)

Companies Visited 400+

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

- (University Grants Commission) Act 1956
- The AICTE (All India Council of Technical Education)
- The NCTE (National Council for Teacher Education)
- The BCI (Bar Council of India)
- Dr. C.V. Raman University is the member of the Association of Indian Universities (AIU)
- The University is Approved by CGPURC
- The PCI (Pharmacy Council of India, a statutory body constituted under the Pharmacy Act, 1948)
- University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

ADMISSION OPEN (2026-27)

futureskills prime — A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative

PROGRAMME OFFERED

B. TECH PROGRAMS OFFERED

01	B. TECH COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — ARTIFICIAL INTELLIGENCE, MACHINE LEARNING, CLOUD COMPUTING
02	B. TECH CIVIL ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — 3D DESIGN
03	B. TECH MECHANICAL ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — MECHANICAL ARCHITECTURE
04	B. TECH ELECTRICAL ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — EV ENGINEER
05	B. TECH ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — EV ENGINEER
06	B. TECH ELECTRICAL AND ELECTRONICS ENGINEERING	INDUSTRY ORIENTED CERTIFICATE PROGRAMME — EV ENGINEER

POLYTECHNIC DIPLOMA

Civil Engineering I Mechanical Engineering
Computer Science Engg I Electrical Engineering

M.TECH

Digital Communication I Power System
Computer Science Engineering I VLSI
Production Engineering I Software Engineering

UG Diploma in Fire Safety Management

Admission to Engineering & Pharmacy programmes will be based on the regulations of the DTE, Chhattisgarh.

You are Invited to

OPEN MEGA JOB FAIR 2026

Date: 10th- 11th July 2026, Time: 10:30AM to05:00 PM

INVITATION FOR ALL FINAL YEAR STUDENTS, FRESH GRADUATES & ALUMNI
INDUSTRY ● OPPORTUNITY ● SUCCESS

A PLATFORM WHERE TALENT MEETS OPPORTUNITY

Dr. C. V. Raman University cordially invites **Final Year Students, Recent Graduates, and Alumni** of your esteemed institution to participate in the **Open Mega Job Fair 2026.** This grand recruitment event will bring together 50+ reputed companies from diverse sectors, offering excellent career opportunities for freshers and experienced candidates.

Contact for more details:

TRAINING & PLACEMENT DEPARTMENT

Call: 8770447020, 8770767832, 8463055601, 8821012305, Email: tpo@cvru.ac.in

Scan to Register

Top Recruiters of AGU

More than **500 companies** for Placements and Internships
Offering up to **10 Lakh Package**

NIIT, Star, Vivo, genpact, iON, TeamLease Digital, Tech Mahindra, vedanta, 3i Infotech, Shree Cement, Axis Bank, Swiggy, amazon, IndusInd Bank, Bluspring, HIKEEDU, pinnacle, LANCO, wipro, Infosys, zomato

Information & Technology

Master of Science (IT, CS)
Bachelor of Computer Application (BCA)
PG Diploma in Computer Application (PGDCA)
Diploma in Computer Application (DCA)

Law

B.A. (LLB) | B.Com. (LLB) | L.L.B. | L.L.M.

Arts

Bachelor of Arts (BA)
Master of Arts (MA)
Bachelor of Library Science (B.Lib)
Master of Library Science (M.Lib)
Master of Social Work (MSW)
Bachelor of Journalism
Master of Journalism
Performing Fine & Folk Arts

Pharmaceutical Sciences

Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)- 4 Years
Master of Pharmacy (M.Pharm)-2 Years
Diploma of Pharmacy (D.Pharm)-2 Years

Science

Bachelor of Science (B.Sc.)
Master of Science (M.Sc.)
PG Diploma in Rural Development (PGDRD)

Education & Physical Education

Bachelor of Education (B.Ed)
Master of Education (M.Ed)
Bachelor of Physical Education and Sports (BPES)
Master of Physical Education and Sports (MPES)
Master of Arts in Yoga (MA Yoga)

Commerce & Management

Bachelor of Commerce (B.Com)
Master of Commerce (M.Com)
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
PGDBM

Bachelor of Vocational (B.Voc)

Automobile Servicing | Production Technology | House Keeping | IT Application Development Banking, Financial Services and Insurance| Home Care | Construction | AC & Refrigeration | Multimedia & Animation Hospital Administration | Fashion Designing | Interior Designing | Fire & Safety (Industrial & Construction)

ADMISSION HELPLINE : ✆ 6261-900581/88

Up to 100% Scholarship Available for Deserving and Eligible Students

25+ International Students from Nepal & Bhutan.

Highest Package up to ₹ 35 LPA

Campus: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.) Ph.+91-7753-253801, E-Mail : info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शनिवार रात झमाझम बारिश के बाद रविवार लगी रही सावन जैसी झड़ी

इधर, देशभर में मानसून ने पकड़ी रफ्तार

रायपुर में 169 मिमी पानी बरसा, जनजीवन अस्त व्यस्त, राज्य के 37 स्टेशनों में भारी वर्षा दर्ज

सूखे पर मूसलाधार प्रहार...रायपुर में दस साल का रिकार्ड टूटा, राजिम में सबसे ज्यादा 190 मिमी बारिश

मानसून की पहली ताबड़तोड़ बारिश ने प्रदेश में सूखे के टेंशन को फिलहाल खत्म कर दिया है। पिछले दो दिनों में हुई मूसलाधार 169 मिमी. बरसात ने रायपुर में दस साल का रिकार्ड तोड़ा है। राजिम में सर्वाधिक 190 मिमी. के साथ प्रदेश के 37 स्टेशनों में भारी वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में शनिवार की रात झमाझम के बाद रविवार दिनभर सावन जैसी झड़ी लगी रही।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने काफी इंतजार के बाद छत्तीसगढ़ में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मानसून का प्रभाव बस्तर के बाद मध्य हिस्से तक हो चुका है और जल्दी ही इसका असर उत्तरी इलाके में भी नजर आने लगेगा। जून में 66 प्रतिशत कम बरसात की वजह से लोगों को सूखे की चिंता सताने लगी थी। जुलाई में मानसूनी गतिविधि बढ़ी और पिछले दो दिन में इसके व्यापक प्रभाव से राज्य का बड़ा हिस्सा इसकी जद में आ गया। रायपुर में मानसून की गतिविधि शनिवार को दोपहर में ही नजर आई। इसके बाद छाए बादलों ने रात होने के बाद अपना तेवर दिखाया और जमकर ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि सरोकार

रहां हुई भारी वर्षा

अतिभारी बारिश

राजिम में 19, दुर्ग में 18, छुरा में 16, लालपुर, रायपुर शहर, राजनांदगांव, पाटन में 15, गोबरा नवापारा, माना में 14, अर्जुंदा में 13, लभांडी, गुंडरदेही में 12-12, भिलाई, कोमाखान, देवरी में 10-10 सेमी. तक बारिश हुई।

भारी वर्षा

बोराई में 9, मंदिर हसौद, महासमुंद, बागबहरा, अहिवारा 8, धमतरी, मंदिर हसौद, धरसींवा, भटगांव, अभनपुर, डोंगरगढ़, गुरुर, मैनपुर, मालखरौदा, गरियाबंद, कुरुद में 7-7, बिलाईगढ़, लैलूंगा,बम्हनीडीह, सारंगढ़ सहित आधा दर्ज इलाके में 6 सेमी. बारिश हुई।

अच्छी वर्षा

राज्य के 30 स्थानों में 5 सेमी. से 3 सेमी. तक बरसात दर्ज हुई।

राज्य में दो दिन में औसत 40 मिमी. बारिश

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने के बाद राज्य में मानसून की गतिविधि बढ़ी है। दो दिन से सक्रिय होने के बाद राज्य में औसत 40 मिमी. बारिश हुई है। मौसम विभाग के एक जून से 5 जुलाई तक की समान्य वर्षा का आंकड़ा अब 167.2 मिमी. तक पहुंच गया है, जो सामान्य 247.2 मिमी. की तुलना में 23 प्रतिशत कम है। अब सारंगढ़ और दंतेवाड़ा जिला सामान्य से अधिक यानी 19 फीसदी से ज्यादा वर्षा की श्रेणी में शामिल हो चुका है। बस्तर, बीजापुर, दुर्ग, जांजगीर, खैरागढ़, महासमुंद, मुंगेली, नारायणपुर और सक्ती जिला सामान्य स्थिति में है।

मुंबई में उड़ानें प्रभावित केरल, ओडिशा में अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के अधिकांश हिस्सों में रविवार को मानसूनी गतिविधियां और तेज हो गईं। मुंबई में भारी बारिश के कारण विमान परिचालन बाधित हुआ जबकि केरल, ओडिशा और झारखंड में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी व्यापक बारिश हुई है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब एक घंटे तक विमानों का परिचालन रोकना पड़ा। आईएमडी ने रविवार को मुंबई के लिए 'रेड अलर्ट' बरकरार रखा है और आगे भी लगातार बारिश तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया है।

केरल में अलर्ट दिल्ली में राहत

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूस्खलन, मिट्टी धंसने और अचानक आने वाली बाढ़ के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रशासन के निर्देशानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। दिल्ली के कई हिस्सों में रविवार को हुई मध्यम बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर 2.30 बजे तक छतरपुर में सबसे अधिक 49 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद गुरुग्राम में 35 मिमी, महरौली में 18 मिमी, नोएडा में 17 मिमी बारिश हुई।

झारखंड में ऐसा अनुमान

झारखंड में आईएमडी ने छह से नौ जुलाई तक सभी 24 जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने को लेकर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम केंद्र ने कहा, राज्य में बादल छाए रहने और अधिकांश हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है, जबकि कुछ सुदूर स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच के दौरान बड़ा खुलासा

एक साल पुराना डेटा रिकवर, चैट्स से खुला 2 करोड़ की चोरी का राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। मोबाइल चैट्स को आरोपियों ने हमेशा के लिए मिटा हुआ समझ लिया था, वही अब उनके खिलाफ सबसे बड़े सबूत बनते दिख रहे हैं। करीब एक साल पहले डिलीट किया गया डेटा भी रिकवर कर लिया गया है। डेटा से 2 करोड़ रुपए से ज्यादा की कथित चोरी से जुड़े सुराग मिले हैं।

अयोध्या पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों के मोबाइल का बैकअप हासिल कर लिया है। फॉरेंसिक जांच के दौरान न सिर्फ पुराने मोबाइल का बैकअप निकाला गया, बल्कि करीब एक साल पहले डिलीट किए गए चैट, डेटा और दूसरी डिजिटल जानकारी भी रिकवर कर ली गई।

खास खबर

पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा के नए मोबाइल फोन का डेटा भी हासिल कर लिया है। अब जांच टीम इन डिजिटल रिकॉर्ड को पूरे केस की टाइमलाइन से जोड़कर देख रही है।

सूत्रों के मुताबिक, रिकवर हुई चैट्स में सबसे बड़ा खुलासा पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ है। फरवरी 2026 में अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा के बीच चोरी की रकम को ⏭शेष पेज 6 पर

जेल में आरोपियों से पूछताछ

रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान गबन मामले की जांच के लिए रविवार को विवेचक आशुतोष तिवारी एंटी करप्शन कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद जिला कारागार पहुंचे। जेल में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस कस्टडी में आरोपी अविनाश शुक्ला ने पूछताछ के दौरान करीब 19 लाख रुपए की अतिरिक्त रकम खा खुलासा किया है। अब जांच एजेंसियां इस रकम के संबंध में मिले इनपुट का सत्यापन कर रही हैं। साथ ही बरामदगी की दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ा रही हैं।

पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल का हासिल किया बैकअप, बनेगा बड़ा सबूत

बैंक खातों की भी जांच

सिर्फ मोबाइल चैट्स ही नहीं, पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों की भी बारीकी से जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि चैट्स में जिन रकमों का जिक्र है, क्या वही रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर भी हुई थी। इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि चोरी की कथित रकम से किन-किन लोगों ने कार, बाइक, मकान या दूसरी संपत्तियां खरीदीं।

सबूतों से दूरी बनाने नए मोबाइल

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने नए मोबाइल फोन खरीद लिए थे। पुलिस को शक है कि ऐसा पुराने डिजिटल सबूतों से दूरी बनाने के लिए किया गया होगा, लेकिन साइबर फॉरेंसिक जांच में नए फोन का डेटा भी खंगाल लिया गया। पुलिस अब यह समझने की कोशिश कर रही है कि क्या पुराने फोन से नए फोन में कोई डेटा ट्रांसफर हुआ था और क्या आरोपियों ने आपस में दूसरे माध्यमों से भी बातचीत की थी?

होसबाले के बयान से पूरी तरह सहमत : भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को राम मंदिर चंदे के विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस पूरे मामले पर संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की बात से पूरी तरह सहमत हैं। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब भागवत से चंदा चोरी के आरोपों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, होसबाले जी का बयान देखिए...मेरी भी वही प्रतिक्रिया है। राम मंदिर चंदा विवाद पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दत्तात्रेय होसबाले के बयान का समर्थन किया है, जिसमें आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के लिए कठोर सजा की मांग की गई है और हिंदू समाज से धैर्य रखने की अपील की गई है। इससे पहले शुक्रवार को आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने इस मामले पर एक बयान जारी किया था।

अद्भुत नजारा...

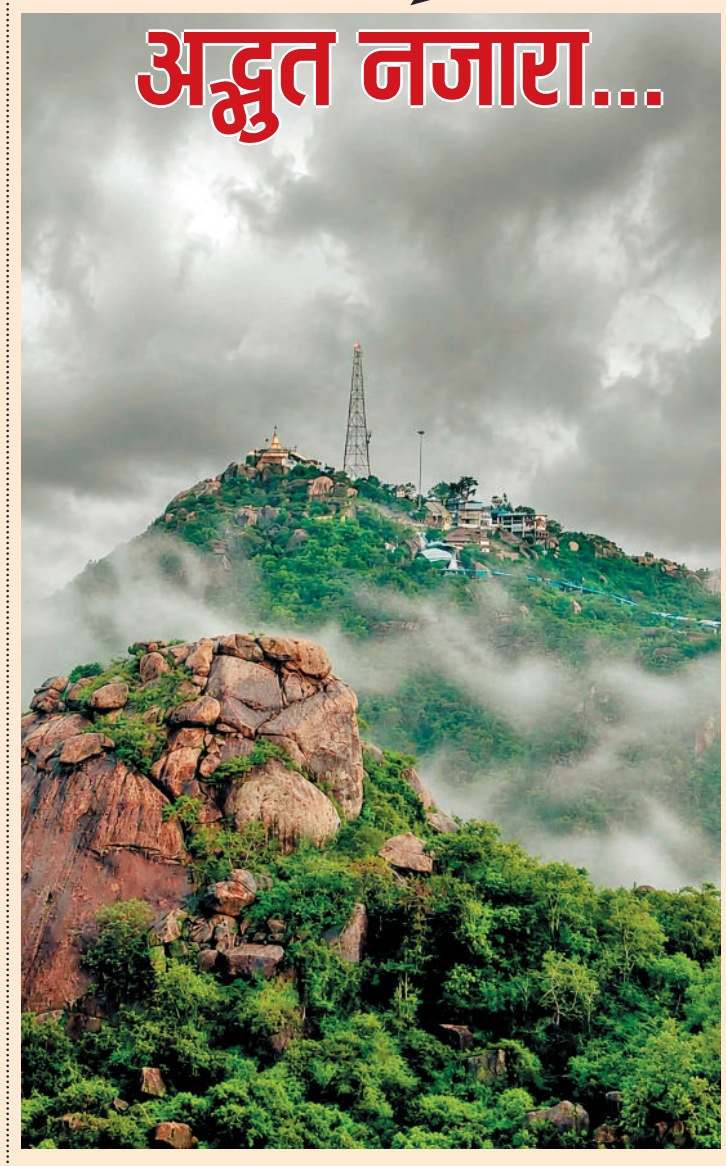

मानसून पहुंचने के बाद छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। इस बीच, डोंगरगढ़ स्थित माँ बम्लेश्वरी मंदिर की पहाड़ी पर दिखाई दिया अद्भुत नजारा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

नौका पलटने के बाद छह मछुआरे लापता

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास खराब मौसम के बीच मछली पकड़ने वाली एक नौका के पलट जाने की आशंका के बाद उसमें सवार छह मछुआरे लापता हो गए। एक मछुआरे को वहां से गुजर रहे एक क्रूज पोत ने सुरक्षित बचा लिया। मछुआरा संघ के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी।

10 बार विधायक रहे मोहनसिंह का निधन

छोटा उदयपुर। गुजरात के वरिष्ठ आदिवासी नेता और 10 बार विधायक रहे मोहनसिंह राठवा का रविवार को उनके पैतृक गांव उमरवा स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। पिछले चार वर्षों से उनका स्वास्थ्य लगातार खराब था, जिसके कारण उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी। मोहनसिंह राठवा केवल एक नेता ही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले मजबूत नेता थे।

आज बैठक, भारत पहली बार कर रहा मेजबानी

ब्रिक्स देशों की बैठक में बनेगी नशे के खिलाफ साझा रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत पहली बार ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक की मेजबानी करेगा। यह महत्वपूर्ण बैठक 6 और 7 को असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित हो रही है। विशेष सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों की एंटी-ड्रग एजेंसियों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े खतरों से निपटने के लिए साझा रणनीति तैयार करेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करना, परिचालन स्तर पर समन्वय बढ़ाना तथा नशीले पदार्थों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाना है।

क्या है ब्रिक्स?

ब्रिक्स विश्व की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें वर्तमान में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई सदस्य देश शामिल हैं। यह समूह आर्थिक, रणनीतिक, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय बढ़ाने के लिए कार्य करता है। नशीले पदार्थों की तस्करी तेजी से अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले रही है। ऐसे में गुवाहाटी में होने वाली यह बैठक ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने और वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

कोपरा में घुरवा में डूबने से दो मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा / गरियाबंद

जिले के कोपरा में रविवार दोपहर में घुरवा में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही पांडुका पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोपरा निवासी बिसेलाल साहू के घर के समीप स्थित घुरवा में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण लबालब पानी भरा हुआ था। दोपहर लगभग 1 बजे दो मासूम बच्चे ⏭शेष पेज 6 पर

ग्रामीणों ने निकाला शव

काफी देर तक जब दोनों मासूम घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास खोजबीन करने के बाद जब ग्रामीण घुरवा गड्ढे के पास पहुंचे, तो बच्चों के डूबे होने की आशंका हुई। ग्रामीणों ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और दोनों मासूम दम तोड़ चुके थे। बच्चों के शव मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पीएम मोदी की आज से तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार से इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। 6 से 8 जुलाई तक प्रस्तावित इस यात्रा को भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

कई समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

राजदूत संदीप चक्रवर्ती ने बताया कि यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

आमिर और गौरी ने की रजिस्टर मैरिज, परिवार में जश्न

उम्र 61 साल, तीसरी बार दूल्हा बने आमिर

एजेंसी ⏭ मुंबई

इंतजार खत्म हुआ! बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गए हैं। 61 साल की उम्र में आमिर ने अपनी लेडी लव गौरी संग तीसरी शादी करके उन्हें हमेशा के लिए अपना हमसफर बना लिया है। आमिर और गौरी ने रजिस्टर मैरिज की है। दोनों अब पति-पत्नी बन चुके हैं। शादी के बाद आमिर और गौरी की आंखों में खुशी से आंसू छलक उठे। नई जिंदगी की शुरुआत करके दोनों काफी ज्यादा खुश हैं।

पति संग पापा की तीसरी शादी में पहुंचीं आयरा

आमिर खान और गौरी की शादी का जश्न जोरों-शोरों से चला। पापा आमिर की तीसरी शादी में एक्टर की लाडली बेटी आयरा खान भी अपने पति नूपुर शिखरे संग पहुंची। घर के बाहर से आयरा और नूपुर की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं।

रीना, किरण के बाद आई गौरी

आमिर खान का यह तीसरा विवाह है। इससे पहले उन्होंने फिल्म निर्माता रीना दत्ता से विवाह किया था और दोनों 1986 से 2002 तक साथ रहे थे। उनके दो बच्चे, जुनैद और इरा खान हैं। इसके बाद अभिनेता ने 2005 में फिल्म निर्माता किरण राव से विवाह किया था। दोनों 2021 में अलग हो गए, हालांकि वे अपने बेटे आजाद की मिलकर परवरिश कर रहे हैं। बेंगलुरु की रहने वाली गौरी सौंदर्य एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी हैं और पहले विवाह से उनका एक बेटा है।

चिंतन

शांति के लिए आतंक की जड़ों पर प्रहार जरूरी

जम्मू-कश्मीर में केवल आतंकियों के मारे जाने से आतंकवाद समाप्त नहीं होगा। पिछले तीन दशकों का अनुभव यही बताता है कि जब तक आतंक की जड़ों पर कड़ा प्रहार नहीं होगा, तब तक नए चेहरे पुराने आतंकियों की जगह लेते रहेंगे। सीमा पार से घुसपैठ, पाकिस्तान समर्थित आतंकी ढांचा, हवाला के जरिए फंडिंग, सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथ का प्रसार और स्थानीय युवाओं की भर्ती, ये सभी आतंकवाद की वे जड़ें हैं, जिन्हें पूरी तरह उखाड़कर फेंकना जरूरी है। आतंकवाद की फैक्ट्री तभी बंद होगी, जब उसके हर स्त्रोत को एक साथ समाप्त किया जाएगा। तभी घाटी में स्थायी शांति स्थापित हो सकेगी। हाल के दिनों में सामने आई दो घटनाएं। पहली शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों का मारा जाना और दूसरी, सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारधारा वाली पुस्तकों का मिलना स्पष्ट संकेत देती हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षा और वैचारिक, दोनों मोर्चों पर एक साथ लड़नी होगी। शोपियां में सुरक्षा बलों ने जिस सटीक रणनीति और खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया, वह भारतीय सुरक्षा तंत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। इनमें से एक आतंकी जाकिर अहमद गनी पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी 14 मोस्ट वांटेड स्थानीय आतंकियों की सूची में शामिल था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान ने यह साबित किया कि सुरक्षा एजेंसियां अब केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं कर रहीं, बल्कि आतंक के पूरे नेटवर्क को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी संदर्भ में सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारों से जुड़ी सामग्री मिलने का मामला भी गंभीर चिंता का विषय है। यदि शिक्षा के माध्यम से युवाओं के मन में अलगाववाद या हिंसक सोच के प्रति सहानुभूति पैदा करने का प्रयास किया जाता है, तो यह भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। प्रशासन द्वारा आठ अधिकारियों को निलंबित करना, संबंधित लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करना और जांच के आदेश देना इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संभावित वैचारिक चुनौती के रूप में देख रही है। यदि शैक्षणिक सामग्री किसी भी रूप में हिंसा, अलगाववाद या राष्ट्र-विरोधी सोच को महिमामंडित करती है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई होना स्वाभाविक है। हालांकि, सुरक्षा के साथ विकास भी उतना ही आवश्यक है। कश्मीर के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और तकनीकी अवसर उपलब्ध कराना होगा। जिस युवा के सामने सम्मानजनक भविष्य होगा, उसके आतंकवाद के रास्ते पर भटकने की संभावना स्वतः कम होगी। स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना और विकास की गति तेज करना आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी दीर्घकालिक रणनीति है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति तभी स्थापित होगी, जब सुरक्षा बल आतंकियों पर निर्णायक प्रहार करते रहें, प्रशासन आतंक के वैचारिक और आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करे और समाज युवाओं को हिंसा के बजाय विकास का रास्ता दिखाए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत तभी होगी, जब कश्मीर की नई पीढ़ी बंदूक नहीं, बल्कि किताब, कौशल और भविष्य का चुनाव करेगी। यही स्थायी शांति का सबसे मजबूत आधार है।

जयंती विशेष
नरेंद्र मोदी

देश की एकता व प्रगति को समर्पित जीवन

> डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। श्यामा प्रसाद का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते।

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। श्यामा प्रसाद का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना।

उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे।

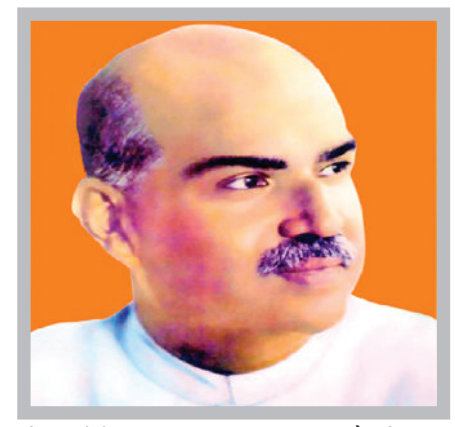

इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(A) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश

को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी।

1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया। कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

ग्रामीण विकास दिवस
बलकार सिंह पूनियां

उपलब्धियों के बीच अधूरी विकास यात्रा

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और महानगरों की चमक-दमक से नहीं, बल्कि उसके गांवों की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय स्थिति से किया जाता है। गांव केवल कृषि उत्पादन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, परंपरा, जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के आधार स्तंभ भी हैं। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 6 जुलाईको मनाया जाने वाला विश्व ग्रामीण विकास दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह स्मरण कराने का अवसर है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास नहीं होगा, तो सतत, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा। वर्ष 2026 की थीम-'लचीलेपन में निहितः कैसे ग्रामीण विकास गरीबी उन्मूलन, जलवायु कार्रवाई और साझा समृद्धि को बढ़ावा देता है'-वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम बताती है कि ग्रामीण विकास अब केवल कृषि तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि का आधार बन चुका है। आज जब दुनिया आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, खाद्य असुरक्षा और अनियंत्रित शहरीकरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार आज भी विश्व के अत्यधिक गरीब लोगों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और बढ़ते तापमान ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर बना दिया है। इसलिए ग्रामीण विकास का अर्थ केवल सड़क, बिजली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि ऐसा सक्षम ग्रामीण समाज तैयार करना है जो संकटों का सामना करते हुए आत्मनिर्भर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके। भारत का अनुभव इस दिशा में आशा और चुनौती-दोनों का परिचायक है। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना और सेवाओं के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाने गांवों को बेहतर संपर्क प्रदान किया, जल जीवन मिशन ने करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने लाखों परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए। डिजिटल इंडिया, भारतनेट, जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी पहलों ने ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन और सरकारी सेवाओं की पारदर्शिता को नई दिशा दी है। आज गांव का नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। 'सरस' जैसे विपणन मंचों ने ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यह स्पष्ट करता है कि यदि ग्रामीण समुदायों को प्रशिक्षण, वित्त और बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। फिर भी यह तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। ग्रामीण विकास की गति पूरे देश में समान नहीं है। अनेक गांव आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, सिंचाई, डिजिटल कनेक्टिविटी, कृषि प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्षेत्रीय असमानताएं विकास की गति को प्रभावित कर रही हैं और यही असमानता समावेशी विकास की सबसे बड़ी चुनौती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है, लेकिन कृषि स्वयं अनेक संकटों से घिरी हुई है। छोटे और सीमांत किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि उनकी आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है। खेती की लागत बढ़ रही है, बाजार मूल्य अनिश्चित हैं और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़ और अत्यधिक तापमान का सीधा प्रभाव उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ रहा है। विश्व ग्रामीण विकास दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि का नाम नहीं है। वास्तविक विकास वही है जो सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन, लैंगिक समानता और जनभागीदारी पर आधारित हो। आवश्यकता केवल नई योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी, पारदर्शी और सहभागितापूर्ण क्रियान्वयन की है। विकसित भारत का मार्ग गांवों से होकर ही गुजरता है। जब प्रत्येक गांव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित आजीविका, डिजिटल अवसर, जलवायु सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की सुविधाओं से जुड़ जाएगा, तभी विकसित भारत और समृद्ध विश्व का सपना साकार होगा। यही विश्व ग्रामीण विकास दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

(लेखक सहायक प्रोफेसर, इग्नू नई दिल्ली हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

उद्यमो भैरवः

संकलित
दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है?

जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा- अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा- भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा- तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा- भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

अब तो चमत्कार से ही खत्म होगा भ्रष्टाचार

हाल ही में भगवान श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या मंदिर में चढ़ावे की जो गड़बड़ी की खबरें सुर्खियां बनीं, उन्होंने एक बात तो शत-प्रतिशत सिद्ध कर दी कि मानवता के दुश्मन कुछ लोगों की बुद्धि लोभ और लालच ने इस कद्र भ्रष्ट कर दी है कि लोगों को न तो भगवान की लाठी का डर रहा है और न कानून की लाठी का। ऐसे लोगों को याद रखना चाहिए कि भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं और कानून के हाथ भी बहुत लंबे हैं। बेईमानी का खेल ज्यादा दिन नहीं चलता है। हमारे देश की राजनीति, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में जो खोट आए हैं, उनका एक सबसे बड़ा कारण है भ्रष्टाचार। अब जब लोग भगवान के घर में भी भ्रष्टाचार से नहीं डर रहे हैं, तो संभावना है कि भ्रष्टाचार अब किसी चमत्कार से ही खत्म होगा। *-रविंद्र जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

अपूरणीय क्षति

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। उनका जाना देश की कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।
- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

सोलर एनर्जी

यह देखकर अच्छा लगता है कि रिहायशी इलाके रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सोलर एनर्जी को अपना रहे हैं। द्वारका में एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एन्क्लेव में 500 केवी के सोलर प्लांट का उद्घाटन, एक ज़्यादा हरे-भरे, आत्मनिर्भर और विकसित दिल्ली बनाने के बढ़ते संकल्प को दिखाता है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

मेहनत का सबूत

बिहार के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को हार्दिक बधाई, जिन्होंने 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू करके इतिहास रचा है। इतनी कम उम्र में देश का प्रतिनिधित्व करना आपके हुनर, कड़ी मेहनत और लगन का सबूत है।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

बुनियादी मानक पूरे नहीं

उत्कृष्टता' का प्रवचन देने वालों को 'डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी' को पूरा करने में 11 साल लग गये। बनाया भी तो इतने निम्न स्तर का कि उत्कृष्टता तो दूर, गुणवता का एक भी बुनियादी मानक पूरा नहीं किया।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

किम जोंग ने विध्वंसक पोत से हथियारों का परीक्षण देखा

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने नए 5,000 टन वजनी विध्वंसक पोत 'कांग कोन' पर लगी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम क्रूज मिसाइल और अन्य हथियारों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। 'कांग कोन' पिछले साल जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था और बाद में इसकी मरम्मत की गई। यह परीक्षण परमाणु हथियारों से लैस नौसेना बनाने की किम की योजना के तहत किया गया उत्तर कोरिया का नवीनतम सैन्य शक्ति प्रदर्शन है। सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बताया कि शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल, 'कांग कोन' की मुख्य तोप और स्वचालित तोपों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा पोत की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का परीक्षण और लक्ष्य का पता लगाने एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने की उसकी क्षमताओं का आकलन भी किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि किम ने तट से इन परीक्षणों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को विध्वंसक पोत के परीक्षण पूरे कर उसे दो महीने के भीतर सेवा में शामिल किए जाने का निर्देश दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

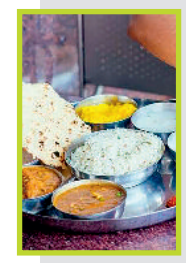

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है- कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है- भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

पंडवानी छत्तीसगढ़ का वह एकल नाट्य है जिसका अर्थ है पांडववाणी - अर्थात पांडवकथा, यानी महाभारत की कथा। ये कथाएं छत्तीसगढ़ की पारधी तथा देवार छत्तीसगढ़ की जातियों की गायन परंपरा है। इस लगभग लुप्त हो रही लोक-कला को देश-विदेश तक पहुंचाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई ही हैं। 5 जुलाई को तीजन बाई ने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी कला उन्हें अमर कर गई।

फर्श से अर्श तक ...

पंडवानी को दुनिया में पहचान दिलाने तीजन बाई ने तय किया कांटों भरा सफर

छत्तीसगढ़ के भिलाई के गांव गनियारी में 24 अप्रैल 1956 को तीजन बाई का जन्म हुआ था। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्व तीजा के दिन जन्म हुआ, इसलिए इनकी मां ने नाम रख दिया - तीजन। इनके पिता का नाम चुनुकलाल पारधी और माता का नाम सुखवती था। तीजनबाई अपने माता-पिता की पांच संतानों में सबसे बड़ी थीं।

पारधी जनजाति में जन्मी तीजन बचपन से ही अपने नाना ब्रजलाल को महाभारत की कहानियां गाते-सुनाते देखतीं। उन्होंने जब पहली बार अपने नाना से द्रौपदी चीरहरण का प्रसंग सुना, तो महाभारत सुनने और समझने में उनकी रूचि बढ़ने लगी। उस समय लड़कियों का ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना उचित नहीं माना जाता था, इसलिए तीजन बाई छुप-छुप कर इन्हें सुना करती थी। एक दिन जब उनके नाना ने तीजन को छुपकर महाभारत के प्रसंग सुनते हुए देखा तो पूछने लगे कि तुम यहां क्या कर रही हो। तीजन के सब बताने पर उनके नाना भावुक हो गए और तीजन को पंडवानी का प्रशिक्षण देने लगे। इसी के साथ तीजन बाई के जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई।

12 वर्ष की उम्र में जब तीजन बाई ने पंडवानी गाना शुरू किया था, तब घर-परिवार ने बंदिशे लगा दी, समाज ताना मारने लगा। समाज का डर, पग-पग पर अपमान और निरंतर विरोध था। किन्तु यह सब तीजन बाई के जूनून एवं साहस के आगे बौने पड़ गए। तीजन बाई ने अपने नाना एवं गुरु से पंडवानी का प्रशिक्षण लिया और निरन्तर अभ्यास से इस कला में महारत हासिल की।

तीजा के दिन जन्म हुआ, इसलिए इनकी मां ने नाम रख दिया - तीजन

छत्तीसगढ़ की लोककला 'पंडवानी' को विदेश तक पहुंचाने वाली पद्म विभूषण तीजनबाई की अनूठी दास्तां

इंग्लैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, जर्मनी और टर्की पहुंचीं

जहां पंडवानी जैसी कला आज देश में विलुप्त होती जा रही है, वही तीजन बाई अकेली महिला थी, जो हजारों मुसीबतों के बावजूद इस कला को जिंदा रखने की हर संभव कोशिश कर रही थी। आखिर उनकी कला की बदौलत धीरे-धीरे देश एवं विदेश से भी उन्हें सराहना मिलने लगी। तीजन बाई ने देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। वर्ष 1980 में वे भारत की सांस्कृतिक राजदूत के रूप में इंग्लैंड, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, टर्की, माल्टा, साइप्रस, रोमानिया, और मॉरीशस जैसे देशों की यात्रा पर गई और पंडवानी की कला से लोगों का परिचय करवाया।

मिले कई सम्मान

भारतीय लोक कला में तीजनबाई के असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। 1995 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

1988 : पद्म श्री

2003 : पद्मम भूषण

2019 : पद्मम विभूषण

तीजनबाई कहती थीं...

हमारे जमाने में लड़कियों का स्कूल जाना अच्छा नहीं मानते थे, सोचते थे, ऐसे भी खाना ही बना रही है, वैसे भी तो खाना ही बनाएगी। कभी नहीं भेजा गया हमें पढ़ने। सो भइया हम ठहरे निरच्छर, अंगूठा छाप।

-लेकिन इन्हीं अंगूठा छाप तीजन बाई ने अपने जीवन की पाठशाला से शिक्षा ग्रहण की और जीवन के उतार-चढ़ाव ने उन्हें समय के साथ अनुभवी एवं परिपक्व बना दिया।

शुरुआती दिनों में गांवों में पंडवानी गाती

तीजन बाई जिस समुदाय में पैदा हुई थी, उनका मुख्य काम था चिड़िया पकड़ना, शहद बटोरना, चटाइयां बुनना और झाड़ू बुहारना था। तीजन ने कभी स्कूल का दरवाज़ा भी नहीं देखा था। वह बताती है कि उन्हें हस्ताक्षर करना तक नहीं आता था और इस बात पर लोग उन पर हंसते थे, बाद में तीजन बाई के सहयोगियों ने उन्हें हस्ताक्षर करना सिखाया।

अभिनेता रणबीर कपूर के साथ तीजन बाई

बासी चावल और चटनी की शौक़ीन, तीजन बाई ने अपनी काबिलियत एवं प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया। दमदार आवाज़ की जादूगर तीजन बाई ने संघर्षो के आगे कभी घुटने नहीं टेके। बॉलीवुड के मशहूर कलाकार रणबीर कपूर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी या फिर कोई सामान्य कला का विद्यार्थी क्यों न हो, तीजन बाई सबसे बेहद सादगी और सरलता से मिलती होती थीं।

पहली बार गाने पर मिला एक बोरा चावल

उस समय में महिलाएं, पंडवानी केवल बैठकर गा सकती थीं, जिसे वेदमती शैली कहा जाता है। वहीं, पुरुष खड़े होकर कापालिक शैली में गाते थे। तीजन बाई वो पहली महिला हैं, जिन्होंने कापालिक शैली में पंडवानी की प्रस्तुति दी थी। इसके बाद दूसरे गांववाले उन्हें तीज-त्यौहार पर लोक गीत गाने बुलाने लगे। तीजन जब 13 साल की थी, तब उन्होंने पहली बार अपने पास वाले गांव चंदखुरी में मंच पर प्रस्तुति दी थी। शुरआती दिनों में पाडंवनी के लिए कोई निश्चित राशि तय नहीं थी, हर कार्यक्रम के बाद श्रोतागण अपनी श्रद्धा अनुसार 10 -20 पैसे या फिर एक मुट्ठी चावल दिया करते थे। तीजन को भी अपने पहले कार्यक्रम में सम्मान स्वरुप एक बोरा चावल मिला, जिसे बेचकर उन्होंने अपने घर की छत बनवाई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण शुरुआत में वे पंडवानी गाने के साथ-साथ छिंद की झाड़ू, दातुन और लकड़ी के सामान आदि बनाकर बेचा करती थी। लगभग 5 वर्षो तक यह आर्थिक संघर्ष चलता रहा किन्तु पंडवानी के प्रति उनका समर्पण कभी कम नहीं हुआ।

तीजन बाई ने कभी दिया था यह संदेश

जो बैठ जाता है उसकी तकदीर भी बैठ जाती है और जो उठकर चलने लगता है, उसकी तक़दीर भी उठकर खड़ी हो जाती है, इसलिए हमें अपनी मंजलि की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष बोले- न नकटी की जमीन हमारी, न ही वहां के लिए कोई आवासीय योजना

कांग्रेस विधायक कॉलोनी के नाम पर भ्रम फैला रहे : अनुराग सिंहदेव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

नकटी से बेदखली मामले को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने कहा, न तो नकटी की जमीन हाउसिंग बोर्ड की है और न ही वहां के लिए आज की तारीख में कोई योजना है। वहां की जमीन आज राजस्व विभाग की है। अतिक्रमण को सामान्य प्रक्रिया के तहत हटाया गया है। अब इसको लेकर कांग्रेस यह भ्रम फैलाने का काम कर रही है कि विधायक कालोनी के लिए वहां से अतिक्रमण हटाया गया है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सिंहदेव ने कहा, नकटी ग्राम के कुल रकबे की वास्तविक जानकारी हम सबको होनी चाहिए। इस ग्राम की कुल आबादी 2110 है तथा इस ग्राम में शासकीय भूमि 22.736 हेक्टेयर है, निजी भूमि यहां पर 24.175 हेक्टेयर है। इसके अतिरिक्त वहां पर चारागाह के रूप में कुछ अतिरिक्त भूमि है। श्री सिंहदेव ने बताया, इस पूरे मामले में 2022 के पटवारी प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया गया था कि यह अतिक्रमण सिर्फ 3 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर है। जिस पर कच्चे मकान व बाड़ी चिन्हांकित की गई थी। इसके बाद जो अतिक्रमण हुआ, वह 2022 और 2023 का है। श्री सिंहदेव ने कहा कि उस समय योजनाबद्ध ढंग से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया। यह ऑनलाइन रिकॉर्ड है, इससे पहले हाईकोर्ट में भी रिट दायर की गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने भी इसे चारागाह व शासकीय भूमि माना था। श्री सिंहदेव ने कहा, इस पर अतिक्रमण का रकबा 29000 वर्गफुट के 2 कब्जाधारी, 17000 वर्गफुट के 5 कब्जाधारी एवं 10 हजार वर्गफुट के 20 कब्जाधारी हैं। जहां 50 लाख तक के पक्के मकान थे।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री सिंहदेव ने कहा कि विधायक आवास के लिए यह अतिक्रमण हटाए जाने की बात कहकर नैरेटिव सेट करने का प्रयास किया गया है। श्री सिंहदेव ने कहा कि 1 सितंबर 2020 को कांग्रेस के तत्कालीन आवास एवं पर्यावरण मंत्री मो. अकबर के विभाग ने प्रस्ताव दिया था कि सामान्य आवास के लिए यह भूमि हमें प्रदान की जाए। इसके बाद इस भूमि पर रिसेंट एक पत्र वर्तमान आवास एवं पर्यावरण मंत्री का भी है, जो 2 फरवरी 2026 को लिखा गया था। उन्होंने बताया, यह भूमि हमारे पास नहीं है और विधायक आवास बनाना है, प्रस्ताव पर विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की एक कमेटी निर्णय लेती है। इस अवधि तक इस प्रकार की कोई योजना नहीं थी। आज की स्थिति में वह भूमि राजस्व विभाग के खाते में है, किसी भी अन्य विभाग के खाते में नहीं। श्री सिंहदेव ने कहा कि यह जो नैरेटिव बना कि यह जमीन विधायक आवास के लिए खाली कराई गई है, यह विषय कहां से आया? निश्चित रूप से यह विषय एक बड़े फेक नैरेटिव पर आधारित है। जिसके आधार पर कांग्रेसियों, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और टीएस सिंहदेव से लेकर दीपक बैज तक ने जनभावनाओं को भड़काने का काम किया और तो और आवास व पर्यावरण मंत्री के निज निवास में जबरिया अंदर घुसने की चेष्टा की गई। श्री सिंहदेव ने कहा कि यह न केवल फेक नैरेटिव सेट करके राजनीति करने का मामला है, बल्कि यह एक तरह से अराजक राजनीति को बढ़ावा देने का मामला है।

एक लेकर 100 घंटे तक के कोर्स, सुविधानुसार समय चुन सकते हैं छात्र

विद्यार्थियों को सिखाए जाएंगे एआई सहित पायथन साइबर सिक्योरिटी, ऑनलाइन रहेंगे ये कोर्स

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बेसिक से लेकर एडवांस लेवल तक के पाठ्यक्रम, नेशनल इंस्टिट्यूट की सहायता

सीबीएसई क्लास 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए फ्री कोर्सेस संचालित करेगा। छात्र अब घर बैठे मुफ्त में एआई, पायथन, कोडिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे 19 एडवांस कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। सीबीएसई बोर्ड ने फ्री कोर्स की लिस्ट भी जारी की है। छात्रों को टेक्नोलॉजी से अपडेट करने और खुद को अपग्रेड करने सीबीएसई द्वारा यह कदम उठाया गया है। सीबीएसई ने कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को मॉडर्न टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए 19 ऑनलाइन कोर्स लॉन्च किए हैं। इन कोर्स के लिए छात्रों को पैसे खर्च नहीं करने होंगे। ये बिल्कुल मुफ्त हैं।

आमतौर पर किसी संस्थान या कोचिंग इंस्टिट्यूट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पायथन प्रोग्रामिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे एडवांस सब्जेक्ट्स सीखने के लिए हजारों रुपए की फीस भरनी पड़ती है। लेकिन अब सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों के छात्र घर बैठे ही ये हाई-टेक विषय पढ़ सकते हैं। बोर्ड ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे इस बेहतरीन पहल की जानकारी बच्चों और उनके माता-पिता तक पहुंचाएं। इन कोर्सेस को ऐसे डिजाइन किया गया है कि ये बच्चों की रेगुलर पढ़ाई को डिस्टर्ब किए बिना उनकी डिजिटल स्किल्स को मजबूत करेंगे।

सीबीएसई ने ये कोर्सेस उपलब्ध कराने के लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की मदद ली है। सभी 19 कोर्स इसके डिजिटल यूनिवर्सिटी प्लेटफॉर्म पर होस्ट किए जा रहे हैं। सीबीएसई बोर्ड का मकसद है कि जब स्टूडेंट्स स्कूल से पासआउट होकर कॉलेज या प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखें तो उन्हें एआई, डेटा या कोडिंग नई चीजें न लगें। वे पहले से ही इन एडवांस तकनीकों में माहिर हों, जिससे उन्हें करियर में दूसरों के मुकाबले ज्यादा फायदा मिल सके। सीबीएसई ने इस लिस्ट में बेसिक से लेकर एडवांस लेवल तक के कोर्सेस शामिल किए हैं। इनमें से कई कोर्स हिंदी और इंग्लिश दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिससे भाषा की वजह से किसी बच्चे की पढ़ाई न रुके। सीबीएसई के फ्री कोर्स की लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। ये पाठ्यक्रम लचीले हैं। छात्रों को किसी तय समय पर कंप्यूटर के सामने बैठने की पाबंदी नहीं होगी। वे अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहें, घर बैठे लॉग-इन करके पढ़ सकते हैं। सीबीएसई के फ्री कोर्स की अवधि भी उनके टॉपिक के हिसाब से अलग-अलग है। कुछ बेसिक कोर्स महज 1.5 घंटे के हैं, जिन्हें 1 ही दिन में खत्म किया जा सकता है। जो स्टूडेंट्स गहराई से कोडिंग या वेब डिजाइनिंग सीखना चाहते हैं, उनके लिए 100 घंटे से भी ज्यादा के लंबे और डिटेल्ड कोर्स मौजूद हैं।

हर लिफ्ट तक पहुंच रहा सुरक्षा आदेश

सभी संस्थानों को जारी हुए नोटिस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में लिफ्ट और एस्केलेटर की सुरक्षा को लेकर अब नगरीय निकाय सक्रिय हो गए हैं। मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और एडवाइजरी के पालन को सुनिश्चित करने के लिए रायपुर सहित प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगरपालिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्र के सभी लिफ्ट संचालित संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, मॉल, होटल, शैक्षणिक संस्थानों और बहुमंजिला भवनों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें लिफ्ट संचालन से जुड़े सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय ने राज्य शासन से प्राप्त अधिकारों के तहत लिफ्ट, एस्केलेटर तथा अन्य संबंधित उपकरणों के पंजीयन, स्थापना, निरीक्षण, अनुरक्षण और संचालन के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। नगरीय निकायों ने इसी के आधार पर भवन संचालकों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है। एसओपी के अनुसार किसी भी परिसर में स्थापित लिफ्ट अथवा एस्केलेटर का पंजीयन कराना आवश्यक है। लिफ्ट का कमीशनिंग कार्य पूरा होने के बाद उसके उपयोग से पहले मुख्य विद्युत निरीक्षक को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सूचना देना होगी। यदि पहले से स्थापित लिफ्ट में कोई बड़ा परिवर्तन या संशोधन किया जाता है तो उसका नया पंजीयन भी कराना होगा।

नियमित मेंटेनेंस की रहेगी जिम्मेदारी

निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि लिफ्ट के स्वामी या संचालक की जिम्मेदारी होगी कि उसका नियमित अनुरक्षण कराया जाए। इसके लिए मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) अथवा अधिकृत सेवा प्रदाता से वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (एएमसी) कराया जाना चाहिए। सार्वजनिक परिसरों में प्रत्येक लिफ्ट के लिए अनुरक्षण का लॉग बुक रखना और निरीक्षण के समय उपलब्ध कराना भी आवश्यक होगा।सार्वजनिक सुरक्षा पर विशेष जोरएसओपी का उद्देश्य लिफ्ट संचालन में तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में लिफ्ट दुर्घटनाओं की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर विशेष जोर दिया गया है। नगरीय निकायों ने संस्थानों को समय पर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों का पालन करने की चेतावनी दी है।

सभी लिफ्ट और एस्केलेटर का निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीयन, उपयोग से पहले कमीशनिंग की सूचना देना अनिवार्य, संरचना या तकनीकी बदलाव होने पर नया पंजीयन आवश्यक, नियमित अनुरक्षण और अधिकृत एजेंसी से एएमसी कराने की व्यवस्था, सार्वजनिक भवनों में अनुरक्षण लॉग बुक का संधारण, निरीक्षण के समय संबंधित अभिलेख उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

डिजिटल साक्ष्य जुटाने 308 विवेचकों को पुलिस कमिश्नर ने दिए मोबाइल

रायपुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट के सभी थानों के विवेचकों को डिजिटल साक्ष्य जुटाने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने मोबाइल फोन वितरित किए। मोबाइल देने का उद्देश्य विवेचना कार्य को तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावी बनाना है। पुलिस मुख्यालय द्वारा नए कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन करने पुलिस कमिश्नरेट के 308 विवेचकों मोबाइल फोन का वितरण किया गया। मोबाइल वितरण का उद्देश्य ई-साक्ष्य का त्वरित एवं सुरक्षित संकलन, उसके व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और विभिन्न तकनीकी प्लेटफॉर्मों के साथ समन्वय सुनिश्चित करना है। इन मोबाइल्स के माध्यम से फील्ड में साक्ष्य संग्रह, तस्वीरीकरण, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और डिजिटल-आधारित रिपोर्टिंग को मानकीकृत किया जाएगा।

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

युद्ध की आग में उबला अंडा, मुर्गी दाना-विटामिन में महंगाई से दाम बढ़े, चिल्हर में 8 रुपए

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़ने से अंडों की कीमत आसमान पर चली गई है। गर्मी के कारण उत्पादन भी कम हो गया। ऐसे में पोल्ट्री में जहां इस समय कीमत 6.55 रुपए है, वहीं चिल्हर में इसके दाम 7.50 से 8 रुपए हो गए हैं। अब मानसून का प्रारंभ हो गया है तो दाम कुछ कम होने की संभावना है। इसके पहले अंडों का कुवैत भेजा जाना बंद होने से दाम बहुत कम हो गए थे, लेकिन अब फिर से अंडे कुवैत भेजने के कारण दाम बढ़ गए हैं।

छत्तीसगढ़ की गिनती देश के अंडों का ज्यादा उत्पादन करने वाले राज्यों में होती है। अपने प्रदेश में रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से 45 से 50 फीसदी अंडे दूसरे राज्यों में जाते हैं, बाकी अंडों की खपत अपने राज्य में होती है। गर्मी के समय में जब खपत कम हो जाती है, तब बहुत परेशानी होती है। ऐसे में उत्पादन कम करना पड़ता है। गर्मी के कारण इस बार भी अब तक अंडों का उत्पादन रोज 20 लाख कम हो गया है। अब मानसून के प्रारंभ होने पर आगे चलकर उत्पादन बढ़ेगा। अंडों के दाम बढ़ने के पीछे का एक बड़ा कारण मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़ाना बताया जा रहा है। पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक मुर्गियों को जो मक्का और कनकी का दाना दिया जाता है, उसके दाम बढ़ गए हैं। जहां मक्के का दाम 19 रुपए किलो से बढ़कर 26 रुपए किलो हो गया है, वहीं कनकी के दाम 16 रुपए से बढ़कर 23 रुपए हो गए हैं। जो विटामिन पहले 500 से 600 रुपए किलो मिलती थी, उसके दाम डबल होकर 11 से 12 सौ रुपए तक पहुंच गए हैं। यह विटामिन विदेशों से आती है। युद्ध के कारण इसके दाम बढ़े हैं।

आमतौर पर गर्मी के समय में अंडों की खपत कम होने पर इसके दाम चार से पांच रुपए हो जाते हैं। बीच में जब अंडों का कुवैत जाना बंद हो गया था तो दाम चार से पांच रुपए हो गए थे, क्योंकि दूसरे राज्यों में अंडों का जाना बंद हो गया था, लेकिन दूसरे राज्यों से अंडों का कुवैत जाना प्रारंभ होने और मुर्गी दाना के दाम बढ़ने के कारण अंडों की कीमत बढ़ गई है। पोल्ट्री फार्म में इसके दाम जहां 6.55 रुपए हैं, वहीं थोक कारोबारी दुकानों में पहुंचाकर इसको 7 में दे रहे हैं। ऐसे में चिल्हर कारोबारी इसे 7.50 से 8 रुपए तक बेच रहे हैं। आधा या एक दर्जन लेने पर इसके दाम 7.50 रुपए लग रहे हैं, जबकि एक या दो नग लेने पर 8 रुपए ही लग रहे हैं। मुर्गियों को खिलाए जाने वाले मुर्गी दाने और विटामिन के दाम बढ़ने के कारण अंडों की कीमत में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में मानसून में दाम कुछ कम हो सकते हैं।

फ्लैट, प्लॉट समेत किसी भी सेवा की रद्द बुकिंग पर अपंजीकृत खरीदार भी कर सकेंगे सीधे रिफंड का दावा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बुकिंग रद्द होने पर जीएसटी रिफंड का रास्ता साफ, क्रेडिट नोट नहीं मिलने पर सरकार से मिलेगी राहत

फ्लैट, प्लॉट, दुकान, व्यावसायिक परिसर या किसी अन्य सेवा की बुकिंग रद्द होने के बाद जीएसटी रिफंड को लेकर लंबे समय से बनी असमंजस की स्थिति अब काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त, राज्य कर ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सर्कुलर के अनुरूप प्रदेश में रिफंड दावों का निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार के निर्देश का सबसे बड़ा असर उन हजारों उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, जिन्होंने किसी सेवा के लिए अग्रिम राशि के साथ जीएसटी का भुगतान किया था, लेकिन बाद में बुकिंग या अनुबंध रद्द हो गया। कई मामलों में सेवा प्रदाता (सप्लायर) ने मूल राशि तो लौटा दी, लेकिन जीएसटी का क्रेडिट नोट जारी नहीं किया अथवा कर की पूरी राशि वापस नहीं की। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता न तो सप्लायर से कर वापस प्राप्त कर पा रहे थे और न ही सरकार से रिफंड लेने का स्पष्ट प्रावधान था। अब इस स्थिति को स्पष्ट कर दिया गया है। निर्देशों के अनुसार यदि किसी सेवा की आपूर्ति से पहले ही अनुबंध या बुकिंग रद्द हो जाती है और सप्लायर जीएसटी अधिनियम के तहत क्रेडिट नोट जारी करने की समयसीमा समाप्त हो जाने या अन्य कारणों से क्रेडिट नोट जारी नहीं कर सकता तो अपंजीकृत प्राप्तकर्ता स्वयं सरकार के समक्ष जीएसटी रिफंड का दावा कर सकेगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र में फ्लैट, प्लॉट और भवनों की बुकिंग रद्द होने वाले मामलों के अलावा अन्य सभी सेवाओं पर भी लागू होगी।

निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि सप्लायर ने खरीदार को केवल आंशिक राशि वापस की है तो जीएसटी रिफंड भी उसी अनुपात में देय होगा। यदि पूरी राशि वापस कर दी गई है, लेकिन जीएसटी का क्रेडिट नोट जारी नहीं हुआ है, तब कर की पूरी पात्र राशि का रिफंड प्राप्त किया जा सकेगा। रिफंड का दावा निर्धारित प्रपत्र में करना होगा और इसके लिए रद्दीकरण अथवा संबंधित पात्रता तिथि से दो वर्ष के भीतर आवेदन करना अनिवार्य होगा। समयसीमा समाप्त होने के बाद सामान्य परिस्थितियों में रिफंड स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राज्य कर विभाग ने अधिकारियों को यह भी बताया है कि यदि किसी व्यक्ति ने अलग-अलग सप्लायरों से सेवाएं ली हैं तो प्रत्येक सप्लायर के लिए अलग-अलग रिफंड आवेदन प्रस्तुत करना होगा। वहीं यदि संबंधित सप्लायर किसी दूसरे राज्य में जीएसटी के तहत पंजीकृत है तो आवेदक को उस राज्य में अस्थायी (टेम्परेरी) पंजीकरण प्राप्त कर वहीं रिफंड आवेदन करना होगा। रिफंड स्वीकृत करने से पहले अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित कर का भार किसी अन्य व्यक्ति पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। आवेदक को आवश्यक घोषणा और दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, ताकि यह प्रमाणित हो सके कि जिस कर की वापसी मांगी जा रही है, उसका लाभ पहले से किसी अन्य माध्यम से प्राप्त नहीं किया गया है।

पूरे प्रदेश में रिफंड की एक व्यवस्था होगी

राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का उद्देश्य पूरे प्रदेश में रिफंड प्रक्रिया को एकरूप बनाना और अधिकारियों के बीच व्याख्या संबंधी भ्रम को समाप्त करना है। अब तक कई मामलों में अलग-अलग कार्यालयों में रिफंड दावों के निस्तारण को लेकर भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण अपनाए जा रहे थे। नए निर्देश लागू होने के बाद सभी अधिकारी एक समान प्रक्रिया के तहत ऐसे दावों का निपटारा करेंगे।

शब्द पहेली - 6278

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	■	15	■	16	17	
	■		■	18			19	■		■
20	21		22		■	23		24		25
■		■	26				■		■	
27		28	■		■	■	29			
	■	30	31	■	32				■	
33	34	■	35			■		■	36	
37				■	38					

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6277 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	य	■	प	व	न	■	स्रा	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
हृ	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	या	■	स	दा	■	रि	■	यी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	या	र

सूडोकु नवताल - 6288

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6287 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

आरोपी से मिली फीस अपराध की आय नहीं, जब तक अधिवक्ता खुद अपराध में शामिल न हो

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी आरोपी द्वारा अपने वकील को पेशेवर सेवाओं के बदले दी गई फीस को केवल इस आधार पर अपराध की आय नहीं माना जा सकता कि भुगतान आरोपी ने किया है। जब तक अधिवक्ता स्वयं किसी आपराधिक कृत्य में शामिल न हो तब तक उसकी पेशेवर फीस को अपराध की आय नहीं कहा जा सकता। जस्टिस जे. जे. मुनीर और जस्टिस अरुण कुमार की पीठ उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर सेल द्वारा एक वकील का पूरा बैंक खाता फ्रीज किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई 2026 को होगी।

वकील स्वयं न हो आपराधिक मामले में शामिल : कोर्ट : हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई वकील स्वयं किसी आपराधिक मामले में शामिल हो और उसके खाते में अपराध से अर्जित धन जमा हो, तो स्थिति अलग होगी। पीठ ने कहा यदि किसी राशि के जमा होने पर वकील का बैंक अकाउंट यह कहकर फ्रीज कर दिया जाए कि वह साइबर धोखाधड़ी या किसी अन्य अपराध की आय है, तो वकीलों के लिए अपने पेशेवर दायित्व निभाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। इससे अदालतों का कामकाज भी प्रभावित होगा।

पुलिस ने वकील के खाते कर दिए थे सीज

क्या है पूरा मामला

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि किसी वकील को उसकी फीस सरकार भी दे सकती है, कोई सम्मानित नागरिक भी और कोई ऐसा व्यक्ति भी जिसके खिलाफ आपराधिक आरोप हों। अदालत ने कहा यदि ऐसा आरोपी अपने वकील के अकाउंट में फीस जमा करता है, तो उस राशि को अपराध की आय नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह राशि अधिवक्ता की वैध पेशेवर आय है, जो उसे अपने विधिक दायित्व निभाने के बदले प्राप्त होती है।

मामले में वकील आयुष बाजपेयी ने हाइकोर्ट का रुख करते हुए कहा कि साइबर सेल ने कथित फर्जी लेनदेन का हवाला देकर उनका बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया, जबकि खाते में जमा राशि उनके मुवक्किल से मिली पेशेवर फीस थी।

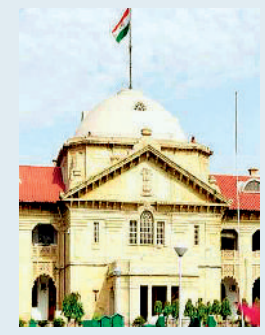

अपर मुख्य सचिव (गृह) से शपथपत्र तलब किया

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) से व्यक्तिगत शपथपत्र तलब किया। अदालत ने पूछा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था करेगी कि पुलिस अधिकारी बैंक अकाउंट फ्रीज करने की अपनी शक्तियों का ऐसा उपयोग न करें, जिससे न्यायिक प्रक्रिया और अदालतों के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

सिर्फ फर्जी लेनदेन की राशि ही हो फ्रीज : कोर्ट

हाईकोर्ट ने अपने हालिया फैसले का हवाला देते हुए दोहराया कि किसी संदिग्ध या फर्जी लेनदेन के आधार पर साइबर सेल पूरे बैंक अकाउंट को फ्रीज नहीं कर सकती। केवल संदिग्ध लेनदेन या अपराध से जुड़ी राशि पर ही कार्रवाई की जा सकती है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता के खाते में कुल शेष राशि 1,03,071 रुपये थी।

खबर संक्षेप

निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की भिड़ंत, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रविवार को सूरतगढ़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर एक निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कैंसर पीड़ित महिला, उसके बेटे और बेटी की मौत हो गई जबकि एक बेटा और एंबुलेंस चालक घायल हो गए। हादसा केंचियां कस्बे के निकट उस समय हुआ जब एंबुलेंस एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे सेना के ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। एंबुलेंस में कैंसर पीड़ित महेंद्र कौर पत्नी कृष्ण सिंह, उनके बेटे सतनाम सिंह और रामप्रकाश , बेटी लक्ष्मी देवी तथा एंबुलेंस चालक राजवीर सवार थे।

कराची अग्निकांड : 72 लोगों की मौत मामले में बच्चे पर चलेगा मुकदमा

कराची। पाकिस्तान के कराची में जनवरी में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग में 72 लोगों की मौत के मामले में पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल आरोपपत्र में नामजद 11 वर्षीय एक बच्चे पर मुकदमा चलेगा। कराची के व्यावसायिक क्षेत्र सदर में एम. ए. जिन्ना रोड स्थित 'गुल प्लाजा' शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 17 जनवरी को भीषण आग लग गई थी। आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे, गुल प्लाजा प्रबंधन समिति के सदस्य तनवीर पास्ता, अमर इस्माइल, मोहम्मद रमजान और मोहम्मद अमीन को आरोपी बनाया गया है।

ईरान में चल रहा शोक सप्ताह, बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

ट्रंप की ईरान को नई धमकी- चाहूं तो एक झटके में सबको खत्म कर दूं, पर सोचता हूं...

ईरान में फिलहाल शोक सप्ताह चल रहा है। शीर्ष नेता रहे अली खामेनेई को 4 से 9 जुलाई तक अंतिम विदाई दिए जाने की रस्में भी शुरू हो गई हैं। तेहरान समेत ईरान के ज्यादातर शहरों में सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान भी धमकी भरे अंदाज में कहा कि ईरान में इतनी बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। हम चाहें तो एक बार में ही सबको खत्म कर सकते हैं। फिर भी ऐसा नहीं कर रहे क्योंकि यदि सभी को हम मार देंगे तो फिर वार्ता के लिए कौन बचेगा।

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

ट्रंप द्वारा ऐसे माहौल में धमकी दिए जाने पर ईरान ने कहा कि अमेरिका कभी भी खामेनेई के निधन पर लोगों के दुख को नहीं समझ सकता क्योंकि उसके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान। डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा भी किया कि ईरान के नेता हमारे आगे गिड़गिड़ा रहे हैं कि एक डील कर ली जाए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने तय किया है कि एक सप्ताह तक गोली नहीं चलेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि ईरान के लोग खामेनेई को अंतिम विदाई देने में व्यस्त हैं। उन्होंने खामेनेई कि विदाई में जुटी लाखों की भीड़ पर भी हैरानी जताई।

मुझे लगता था ईरान के लोग खामेनेई से नफरत करते हैं

वहीं, ट्रंप ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि उन्हें लगा था कि ईरान के लोग खामेनेई से नफरत करते हैं और अंतिम संस्कार में दिख रहे आंसू शायद नकली हो सकते हैं। उनके इस बयान ने दोनों देशों के बीच पहले से चल रहे तनाव को और बढ़ा दिया। ईरान में 36 साल तक लगातार शासन चलाने वाले मुल्क के शीर्ष नेता अयातुल्लाह खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले में मौत हो गई थी। इस हमले के बाद पूर्व मिडल ईस्ट में ही अशांति फैली हुई है।

ट्रंप पर भड़का ईरान, कहा- न सभ्यता और न सम्मान

ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका कभी भी खामेनेई के निधन पर लोगों के दुख को नहीं समझ सकता क्योंकि उसके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान। पोस्ट में लिखा, आपने अयातुल्ला खामेनेई को मार दिया, लेकिन वास्तव में आपने एक ऐसी इत्र की शीशी तोड़ी है जिसकी खुशबू हर जगह फैल गई।

राष्ट्रीय एकता, शहादत का प्रतीक बनी अंतिम यात्रा

ईरानी सरकार खामेनेई के अंतिम संस्कार को सिर्फ एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और मजबूती के प्रदर्शन के रूप में भी पेश कर रही है। मंच पर रखे ताबूतों के आसपास ईरान के राष्ट्रीय झंडे और काले शोक बैनर लगाए गए हैं। ईरान का मानना है कि दुश्मन के हमले में खामेनेई की मौत ने शिया समुदाय में शहादत की भावना को और मजबूत किया है। सार्वजनिक शोक, जुलूस, सीना पीटना और मातमी रस्में केवल दुख व्यक्त करने का तरीका नहीं हैं, बल्कि इन्हें प्रतिरोध और एकजुटता का प्रतीक भी माना जाता है।

ईरान ने 4 और 9 तारीख को ही क्यों चुना

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार में भी उसने ऐसी तारीखों को चुना है, जिनका बड़ा महत्व है। 4 जुलाई को अमेरिकी की आजादी की 250वीं सालगिरह थी। उसी दिन खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके अलावा 9 जुलाई को आखिरी दिन है, जिसका इमाम हुसैन से सीधा संबंध है। यही नहीं ईरान ने इस मौके को दुनिया भर के शिया मुसलमानों की एकता के मौके पर भी चुना है। इसी नीति के तहत खामेनेई के जनाजे को इराक में ले जाया जाना है. इराक में खामेनेई का जनाजा नजफ और करबला जाएगा।

पाठ्य पुस्तक में आतंकियों को महिमामंडित करने वाले 8 अफसर सस्पेंड

एफआईआर के बाद ताबड़तोड़ छापेमारी, विभागीय जांच के आदेश

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूलों से विवादित किताबों को हटाने का आदेश देने के बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। ये किताबें अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने वाली थीं। किताबों में कश्मीर को भारत के कब्जे वाला बताया गया। यहां तक कि प्रतिबंधित जेकेएलएफ के संस्थापक मकबूल भट को शहीद कहा गया था।

यह मामला सामने आने के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन ने स्कूल शिक्षा विभाग के आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया, लेखकों और पब्लिशर्स को ब्लैकलिस्ट कर दिया, सरकारी स्कूल की लाइब्रेरी से दो किताबें हटा लीं और उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिए। जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलीजेंस' ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। विवादित पुस्तकों में अलगाव वादियों का कथित तौर पर महिमामंडन किये जाने के सिलसिले में छापेमारी शुरू की।

इन दो किताबों पर हुआ विवाद

जिन किताबों पर विवाद हुआ उनमें पहली किताब 'पर्सनैलिटीज एंड लेजेंड्स ऑफ जम्मू-कश्मीर'। इसके लेखक हिलाल अहमद और संतोष मीणा हैं। इसे ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू ने प्रकाशित किया है। दूसरी किताब 'पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर', जिसके लेखक डॉ. सुशांत गिरी हैं और इसे अनुराग प्रकाशन, दिल्ली ने प्रकाशित किया है।

कश्मीर पुलिस ने दर्ज किया केस, मारा छापा

अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज करने के बाद, इकाई ने शहर के बहू प्लाजा में एक प्रकाशक के ठिकानों पर छापेमारी की। उन्होंने कहा कि यह तलाशी अभियान मामले से जुड़ी सामग्री एकत्र करने के लिए चल रही जांच के तहत चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने छापेमारी के दौरान भौतिक दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए हैं, और अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पश्चिम बंगाल में आक्रोश

किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या भीड़ ने की संदिग्ध की हत्या

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 वर्षीय किशोरी के साथ बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया है। किशोरी का शव तालाब से बरामद होने के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। परिजनों का कहना है कि किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की और शव तालाब में फेंक दिया। आक्रोशित भीड़ ने इंद्रजीत तांती नामक एक संदिग्ध को पीट-पीटकर मार डाला। लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया गया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 4 जुलाई की दोपहर को किशोरी खाना खरीदने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल

घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क और रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। सियालदह-नामखाना रेल मार्ग पर करीब एक घंटे तक रेल सेवा बाधित रही। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पीड़िता के पिता से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

अब लोन व वसीयत में मिले पैसे की देनी होगी जानकारी, टैक्स पर नहीं पड़ेगा असर

एजेंसी : नई दिल्ली

देशभर में असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। अगर आप भी इस साल अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं, तो ई-फाइलिंग पोर्टल पर आपको एक बहुत बड़ा बदलाव नजर आएगा। आयकर विभाग ने अपनी ऑनलाइन फाइलिंग वेबसाइट के साथ-साथ जेसन यूटिलिटी में एक बिल्कुल नया कॉलम जोड़ दिया है। इस नए सेक्शन का नाम 'रिसिप्ट नाट इन दी नेटर ऑफ इनकम' रखा गया है। टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के मकसद से यह नया विकल्प फिलहाल केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पेश किया गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर आप सरकार की तरफ से नोटिफाई किए गए आधिकारिक आईटीआर फॉर्म का पीडीएफ वर्जन देखेंगे, तो उसमें यह कॉलम कहीं नजर नहीं आएगा। इसे मुख्य रूप से ऑनलाइन फाइलिंग पोर्टल और डिजिटल यूटिलिटी का ही हिस्सा बनाया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जब आप अपना रिटर्न ऑनलाइन सबमिट करने जाएंगे, तभी आपको इस नए सेक्शन में अपनी वित्तीय जानकारी दर्ज करनी होगी।

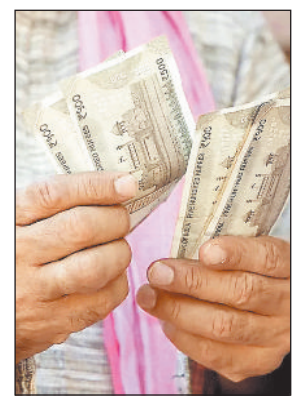

तोहफे शगुन पर क या है नियम

शादी-विवाह में मिलने वाले शगुन या करीबियों से मिलने वाले महंगे तोहफों को लेकर भी नियम बिल्कुल साफ हैं। सिंघानिया एंड कंपनी की पार्टनर रितिका नैयर सलाह देती हैं कि रिटर्न फाइल करते वक्त और इस नए कॉलम को भरते समय काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। आपको अपनी हर तरह की टैक्स-फ्री कमाई को बिना सोचे-समझे इस कॉलम में नहीं डालना है। शादी में मिले गिफ्ट्स, रिश्तेदारों से प्राप्त उपहार और लोन की रकम हमेशा की तरह टैक्स के दायरे से पूरी तरह बाहर ही रहेंगे। चूंकि यह कॉलम केवल ऑनलाइन सिस्टम में फ्लैश हो रहा है, इसलिए फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इसे खाली छोड़ने पर पोर्टल रिटर्न सबमिट करने देगा या नहीं, लेकिन करदाताओं को अपनी वित्तीय जानकारी पूरी ईमानदारी के साथ देनी चाहिए।

एलएनजी आपूर्ति सामान्य होने पर सरकार ने गैस पर लगाए आपात 'प्रतिबंध' वापस लिए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंध वापस ले लिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में संशोधन करते हुए उन प्रमुख प्रावधानों को हटा दिया, जिनके तहत घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार की जा रही थी। सरकार ने यह आपात व्यवस्था नौ मार्च को पश्चिम एशिया में संघर्ष के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू की थी। उस समय अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और उसके जवाब में ईरानी कार्रवाई के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। कई आपूर्तिकर्ताओं ने अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) को लागू कर दिया था, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी। गेल को सौंपी गई थी जिम्मेदारी सरकारी कंपनी गेल को पीपीएसी के साथ मिलकर गैस की पूलिंग, पुनर्वितरण और नई कीमत तय करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। सरकार का कहना है कि क्षेत्र में हालात सामान्य होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति बहाल होने के बाद अब इन अस्थायी आपात प्रावधानों की आवश्यकता नहीं रह गई है।

समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका

मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि अब क्षेत्र में युद्धविराम लागू है, बातचीत जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका है। ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए आपात प्रतिबंधों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीन बड़े कदम उठाए थे।

एलएनजी उत्पादन बढ़ाना का दिया था निर्देश

इनमें प्राकृतिक गैस आपूर्ति का नियंत्रण, रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन के फीडस्टॉक की जगह एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश और थोक उपभोक्ताओं को डीजल की बिक्री सीमित करना शामिल था।

जिम मालिक की हत्या के थे आरोपी

बिश्नोई गैंग के 2 शूटर ढेर एक पुलिस जवान घायल

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पुलिस ने हरियाणा के बहड़गढ़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े परवेश और हिमांशु नाम के 2 लोगों को गोलीबारी के बाद ढेर कर दिया। ये दोनों 10 जून को हांसी में जिम मालिक कपिल रेडहू की हत्या के आरोपी थे और तभी से फरार चल रहे थे। मृत जिम मालिक कपिल की उम्र सिर्फ 25 साल थी। बाइक सवार हमलावरों ने उन पर 10 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। दिल्ली और हरियाणा पुलिस की टीमों को उनके छिपे होने की खबर मिली, जिसके बाद उन्होंने इन दोनों को ढूंढ निकाला। पुलिस के करीब पहुंचते ही संदिग्धों ने उन पर गोली चलानी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में दिल्ली पुलिस का एक कांस्टेबल घायल हो गया, वहीं 4 अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं।

जिम मर्डर केस में परवेश और हिमांशु पर आरोप

मृत जिम मालिक कपिल रेडहू की उम्र सिर्फ 25 साल थी। बाइक सवार हमलावरों ने उनकी जिम के बाहर ही उन पर 10 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। कपिल की हत्या के मामले में परवेश और हिमांशु को मुख्य आरोपी बनाया गया था। उन पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन सहित कई आरोप दर्ज थे।

एसबीआई करेगा 1,500 प्रोबेशनरी अधिकारियों की इस वर्ष नियुक्ति

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कारोबार के विस्तार को गति देने के लिए इस वर्ष 1,500 'प्रोबेशनरी' यानी प्रशिक्षु अधिकारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है।

एसबीआई द्वारा जारी भर्ती अधिसूचना के अनुसार, कुल 1,500 पदों में 1,446 नियमित रिक्तियां हैं, जबकि 54 पद लंबित श्रेणी की रिक्तियों के हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि आठ जुलाई है और बैंक को उम्मीद है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। पात्रता मानदंड के अनुसार, आवेदक किसी भी विषय में स्नातक होना चाहिए तथा एक अप्रैल, 2026 तक उसकी न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए।

नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दी गई

सेबी ने दी 'ओपन मार्केट बायबैक' को मंजूरी, 1 अगस्त से होगा लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक बड़ा फैसला लिया है। एक अगस्त से शेयर बाजार में 'ओपन मार्केट शेयर बायबैक' का रास्ता फिर से खुलने जा रहा है। यानी, अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो अब आपको अपनी हिस्सेदारी बेचने का एक और पारदर्शी विकल्प मिलने वाला है। पहले सेबी ने इस प्रक्रिया पर पूरी तरह रोक लगाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अब नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दे दी गई है। कुछ समय पहले तक, सेबी ओपन मार्केट बायबैक को धीरे-धीरे पूरी तरह से बंद करने के पक्ष में था। रेगुलेटर का मानना था कि पुराने टैक्स नियमों के कारण निवेशकों के बीच एक तरह की असमानता पैदा हो रही थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। टैक्स व्यवस्था में सुधार लागू होने के बाद, सेबी ने अपना पुराना रुख बदल लिया है। अब इसे मौजूदा 'टेंडर ऑफर' के साथ एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस फैसले के पीछे का मुख्य उद्देश्य कंपनियों का खर्च घटाना, बायबैक की प्रक्रिया को तेज करना और शेयर बाजार में भारी गिरावट के वक्त शेयरों की कीमतों को गिरने से बचाना है।

- सेबी मार्केट बाय बैक को धीरे-धीरे पूरी तरह बंद करने के पक्ष में था

क्या होता है शेयर बायबैक?

दरअसल, जब कोई शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी अपने ही मौजूदा निवेशकों से अपने शेयर वापस खरीद लेती है, तो इस पूरी प्रक्रिया को 'शेयर बायबैक' कहा जाता है। कंपनियां बाजार से अपने शेयर वापस लेने के बाद आमतौर पर उन्हें रद्द कर देती हैं। शेयर कैंसल होने से बाजार में उस कंपनी के कुल शेयरों की संख्या घट जाती है। इससे कंपनी की वित्तीय सेहत मजबूत दिखती है और लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा मिलता है।

टेंडर ऑफर से अलग है ओपन मार्केट बायबैक

मौजूदा समय में ज्यादातर कंपनियां टेंडर ऑफर का इस्तेमाल करती हैं, जहां वे एक तय कीमत पर निवेशकों से शेयर खरीदती हैं। लेकिन ओपन मार्केट बायबैक का तरीका बिल्कुल अलग है। यह शेयर बाजार में होने वाली आम ट्रेडिंग की तरह ही काम करता है। सबसे पहले कंपनी शेयर बाजार में बायबैक लाने की आधिकारिक घोषणा करती है। इस ऐलान में स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि कंपनी अधिकतम कितने शेयर वापस लेगी। कंपनी यह भी स्पष्ट करती है कि इसके लिए कुल कितना फंड आवंटित किया गया है और यह खरीदारी कितने समय तक चलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

कांग्रेस ने विकास...

के जवाब-

- कौन सी जिम्मेदारी चुनौती पूर्ण है? खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री होना या जिले का प्रभारी मंत्री होना?

बघेलः- हकीकत में चुनौती शब्द खासकर खाद्य विभाग में सही है। धान खरीदी में काफी मेहनत होती है। किसानों को खुश रखना होता है। धान लेकर आने वाले किसान का धान तौल हो जाए और समर्थन मूल्य की राशि पहुंच जाए, यह प्राथमिकता होती है और यही हुआ भी। खरीदी का बहुत बड़ा क्षेत्र हैं जिसमें 149 लाख मिट्रीक टन धान खरीदी करते हुए जिले के किसानों को तत्काल पूर्ण भुगतान खातों में पहुंच गई। धान खरीदी में इसी प्रकार का परेशानी न हो बारदाने की कमी न हो तौलाई ठीक हो इस में ध्यान देने के साथ यह भी देखा जाता है कि कहीं बाहर से कोचिए का धान नही आ रहा। इस पर निगरानी भी करनी होती है। कंट्रोल रुम तैयार कर नजर बनाए रखी और मेहनत से धान खरीदी किए जाने से किसान खुशहाल हैं। शहर में ही नही गांव में भी किसान संपन्न नजर आने लगा है।

- जिले की चुनौती मानते हैं फिर भी अवैध धान के केस सबसे ज्यादा हैं?

बघेलः-जिले का प्रभारी मंत्री मंत्री हूं, लगातार प्रशासनिक अफसरों से टच में रहने के साथ रेत खदान की शिकायतों पर भी हमनें कार्रवाई की है। 17 खदानों में 17 चैन माउंटन जब्त हुई और और जुर्माना भी हुआ। इस बार भी कार्रवाई, जुर्माना और दंड जारी है। रेत मामलों में सबसे अधिक माफियाओं को बचाने के लिए किसके फोन आने के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि जो गलत करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा कि जिले के सभी कार्यकर्ता जागरुक हैं, यहां सबसे ज्यादा पूर्व विधायक हैं जिनके साथ विधानसभा में रहा।

- ऐसा क्या करते हैं जो सभी आपके साथी पूर्व विधायक हो जाते हैं?

बघेलः- सभी वर्तमान में पार्टी से जुड़ें हैं, सभी हमेशा क्षेत्र की भलाई और विकास के लिए संगठन के लिए कार्य करते हैं।

- राइस मिलर परेशान हैं, वे बता रहे कि तीन साल से पैसे नही मिले?

प्रभारी मंत्री दयालदास बघेलः- कोई राईस मिलर परेशान नहीं। पहले एक मिल से दो फिर अब तीन हो चुके हैं। कोई परेशान नही। राशि का लगातार भुगतान हो रहा है। मिलिंग की दर को 120 से घटाकर कम नही किया। 40 रुपए मिलते थे, कांग्रेस सरकार ने 120 रुपए देने की शुरुआत की। जिसे घटाकर 40 का दोगुना याने 80 रुपए किया। मुख्यमंत्री के साथ लगातार मिलरों की बैठकें जारी है। और कोई परेशानी नही।

- प्रशिक्षण देने की उम्र में चिंतन शिविर में प्रशिक्षण ले रहे, क्यों?

बघेलः- कांग्रेस के कार्यकाल में क्या हुआ सब जानते हैं उनके घोटालों के बारे में। विकास की बात करते हैं लेकिन, 5 साल में एक धमेला गिट्टी नही डाला और सड़के कांग्रेसी कार्यकाल में ही खराब हुई। नरवा, गरवा, घुरुआ, बारी का नारा देने वाले कांग्रेसी बताएं कि कितना घोटाला हुआ इस योजना में। एक भी उदाहरण प्रस्तुत कर पाने लायक नही हैं कांग्रेसी। गौठान में गड़बड़ी का ठिकाना नही रहा, गोबर पानी में बह गया। गौ मूत्र खरीदे नही इसके नाम से भी घोटाला किया।

- खल्लारी में द्वारिकाधीश और सरायपाली में चातुरी नंद ने चुनाव इतने अंतर से कैसै जीता?

बघेलः- स्थिति परिस्थिति के ऊपर है, अब तो जीत चुके हैं। सरकार आने की उम्मीद थी नही आ पाए। जनता देख रही कि कितना झूठ बोला गया। गंगा जल की कसम खाकर शराबबंदी करने की बात करने वालों के कार्यकाल में कोरोना काल में पानी नही मिलता था लेकिन, घर-घर शराब सुबह 6 बजे पहुंच जाती थी। भाजपाईयों ने जनता की सेवा की। दोनों विधानसभा में चिंता नही है, जनता का मूड है। दौरा कर रहे विकासकार्य कर रहे।

यादव ने साधा...

बुलडोजर चलाने से कुछ घंटे पहले प्रशासन सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आश्वस्त करता है कि मकान नहीं टूटेगा, लेकिन होता इसके उलट है। इस सरकार में सांसद की स्थिति इससे जाहिर होती है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने अवैध रेत खनन पर समुचित कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा सरकार के 15 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हितों की उपेक्षा कर रही है।

सांसद से बेबाक...

-विद्याचरण शुक्ल, श्यामचरण शुक्ल और पवन दिवान इस क्षेत्र में सांसद रहे। पिछड़ा क्यो कहलाता रहा यह संसदीय क्षेत्र? हम क्या कहेंगे?

सांसद चौधरीः- समय परिस्थितियां हैं। सभी ने अपने स्तर पर बेहतर कार्य किया। गांव के दूरस्थ लोगों की आवश्यकताओं को पीएम मोदी की सोच के चलते विकास देखने को मिल रहा है। कभी लालकिले की प्राचीर से शौचालय की बात करना हंसी का कारण होता था। अटल जी ने पीएमजीएसवाय से जुटने से शिक्षा स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं बढ़ी हैं। कृषि प्रधान लोक सभा है। धमतरी में गंगरेल, गरियाबंद में भी सिचांई के साधन उपलब्ध हैं। महासमुंद जिले के बसना और सरायपाली में वाटर लेवल डाउन हैं। सिकासेर बड़ी उपलब्ध हैं। उलट में बेकार बह जाने वाला पानी को स्टोरेज करने पाईपलाइन के माध्यम से बिना बर्बाद हुए कोडार डेम में भरा जाएगा। फिर किसानों से बचने वाले पानी को उद्योग के लिए दिए जाने की बात होगी।

- संसदीय पद बरकरार रहे इसके लिए साय सरकार कैसा कार्य कर रही है? -

सांसद - बेहतर कार्य कर रही है। राजस्व को ठीक करना चुनौती रहा है। जिसके लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। 1076 सीएम हेल्पलाईन से लोग 24 घंटे शिकायत और निवारण का कार्य हो रहा। राजस्व की शिकायतें भी तत्काल निराकरण समय सीमा के भीतर दूर की जा रही हैं। जल्द परिणाम देखने को मिलेगा। सीएम अच्छा कार्य कर रहे हैं। महतारी वंदन को छलावा बताने वाले बताएं कि जिन सीटों पर कांग्रेस जीती है, वहां यह आरोप क्यों लागू नही हो रहे। हमें गंगा जल हाथ में लेने की आवश्यकता नहीं। शराब की डिलीवरी कोरोना के समय पर कांग्रेस सरकार ने डिलीवरी दी। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी को वैक्सीन बनाकर जान बताई और कांग्रेसियों ने इसका दुष्प्रचार किया।

-सांसद की समस्या के लिए विधायक द्वारिकाधीष आवाज उठा रहे, ऐसा क्यों?-

सांसद -जिस सड़क कोमाखान-छुरा की बात हो रही है वह सड़क स्वीकृत हो गई है। गाड़ाघाट का पुल और तुमगांव का रोड कांग्रेसियों को नहीं दिखा। यह हमारी सरकार की उपलब्धि है। उस पुल और सड़क को हम बना रहे। कसडोस से कोमाखान और छुरा मार्ग का कार्य हम कर रहे हैं। कांग्रेसी सर्वे का भूमिपूजन करते आए हैं। रेलवे लाईन की डीपीआर बनना शुरु हो चुका है।

- आश्वस्त हैं द्वारिकाधीश यादव और चातुरी नंद कि भूपेश बघेल एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे?

- यह तो समय बताएगा। भाजपा अच्छी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। महिलाओं और किसानों के लिए भाजपा लगातार कार्य कर रही। कांग्रेस का महिला विरोध चेहरा तब सामने आया जब उन्होनें महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया। महिलाओं को मिले अवसर पर विरोध, युवाओं के लिए विरोध और विकास विरोधियों को जनता पहचानेगी।

- बतौर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैसे मुख्यमंत्री हैं?-

सांसद रुपकुमारी चौधरीः- लोकप्रिय सीधे-साधे और आदिवासी। कार्य प्रशंसनीय है। मोदी की गारंटी पर घोषणा को पूरा किया। 18 लाख पीएम आवास को गंभीरता से लेते हुए भाजपा की सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए। जो हर गांव में तैयार हो रहे।

देश-विदेश में...

बिस्तर पर थीं। 27 मई को उन्हें गंभीर स्थित में एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनके स्वास्थ्य में गिरावट आने पर दो दिन पूर्व उन्हें आईसीयू से सीसीयू में शिफ्ट किया गया था। रविवार को अलसुबह करीब तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर जैसे ही मिली पूरा छग में शोक की लहर दौड़ गई। सीएम विष्णुदेव साय ने अस्पताल पहुंचकर पंडवानी की स्वर साम्राज्ञी के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावीभीनी श्रद्धांजलि देकर उनके अवसान को कला जगत की अपूरणीय क्षति बताया। सीएम श्री साय ने उनके शोकसंतप्त परिजनों को ढाढस बंधाते हुए तीजन की पार्थिव काया को सम्मान जल्द से जल्द पैतृक ग्राम गनियारी रवाना करने के भी इंतजाम के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

हजारों हुए शामिल-

रायपुर से जैसे ही करीब 11 बजे एंबुलेंस से तीजन बाई की पार्थिव देह को गनियारी लाया गया पूरा गांव शोक में डूब गया। घर में परिजन हमला काबर अकेल्ला छोड़ चल देव और अब हमन ला कोन आशीर्वाद दे ही कहकर बिलख पड़े। उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। घर पर परिजनों के पूजा आदि अंतिम रस्म के बाद तीजन बाई की अंतिम यात्रा मुक्तिधाम के लिए निकली। फूलों मालाओं से सजे शववाहन के पीछे लोग सैकड़ों लोग पैदलस दोपहिया और जन प्रतिनिधि व कलाकार आदि का काफिला जब तक सूरज चांद रहे तीजन आपका नाम रहेगा जयघोष करता चल रहा था। यहां सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में राजकीय सम्मान से उनका अंतिम संस्कार किया गया। मंझले पुत्र दिलहरण ने जैसे ही मुखाग्नि दी पूरा परिसर तीजन बाई अमर रहे के जयघोष से गूंज उठा।

पंडवानी गायन के...

को ही जीवन का उद्देश्य बना लिया।

पंडवानी की दी नई पहचान-

तीजन ने देश और अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर पंडवानी की नई पहचान दी। पंडवानी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकगायन शैली है, जिसमें महाभारत की कथाओं का गायन और अभिनय किया जाता है। पहले महिलाएं केवल बैठकर श्वेदमती शैली श में पंडवानी प्रस्तुत करती थीं, जबकि कापालिक शैली में मंच पर अभिनय के साथ प्रस्तुति पुरुष कलाकार देते थे।तीजनबाई इस परंपरा को बदलने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने कापालिक शैली में मंच पर अभिनय, संवाद, भाव-भंगिमा और स्वर के अद्भुत समन्वय से पंडवानी को नई पहचान दी। उनका तानपुरा कभी भीम की गदा, कभी अर्जुन का धनुष तो कभी दुर्योधन की तलवार बन जाता है, जिससे दर्शक पूरी तरह महाभारत के दृश्य में खो जाते हैं। **अलंकरण, सम्मान, उपाधियां**- तीजनबाई ने अपनी कला का प्रदर्शन भारत ही नहीं बल्कि ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, तुर्की सहित अनेक देशों में किया। उनकी प्रस्तुतियों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय लोककला की नई पहचान बनाई। उन्होंने साबित किया कि लोककला किसी भाषा या सीमा की मोहताज नहीं होती। डॉ. तीजनबाई को कला जगत में उनके असाधारण योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। पद्म भूषण से अलंकृत पद्मश्री (1988 राष्ट्रपति आर वेंकट रमन प्रदत्त), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1995), पद्म भूषण (2003 एपीजे कलाम) और पद्म विभूषण (2019-आर कोविंद) शामिल है। इसके अलावा देश-विदेश की अनेक संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया है और कई विश्वविद्यालयों ने उन्हें मानद उपाधियों से भी अलंकृत किया है। **संघर्ष से मिला मकाम**- तीजनबाई केवल एक लोकगायिका नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक विरासत की सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने यह साबित किया कि प्रतिभा और मेहनत के सामने सामाजिक बंधन और कठिन परिस्थितियां टिक नहीं सकतीं। आज भी वे युवा कलाकारों को पंडवानी की शिक्षा देकर इस लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उनकी जीवन यात्रा यह संदेश देती है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो एक छोटे से गांव की बेटी भी पूरी दुनिया में अपनी संस्कृति का परचम लहरा सकती है। तीजनबाई छग की सांस्कृतिक पहचान ही नहीं, बल्कि भारतीय लोककला की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

चिंतन शिविर शासन...

शिविर 3.0' का समापन हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा देश के प्रतिष्ठित नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों ने शासन, विकास और जनसेवा के विभिन्न आयामों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर अब केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच नहीं रह गया है, बल्कि शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-संचालित और नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिंतन शिविर 3.0 से प्राप्त सुझाव विकसित छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई दिशा देंगे तथा इन्हें शीघ्र ही नीतिगत एवं प्रशासनिक पहलों के रूप में लागू किया जाएगा। **पर्यटन मॉडल पर जोर** - दूसरे दिन आयोजित 'सतत समृद्धि के इंजन के रूप में पर्यटन' विषयक सत्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं पर्यटन नीति विशेषज्ञ सुमन बिल्ला ने कहा, छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, जनजातीय और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में देश का अग्रणी हाई-वैल्यू, लो-इम्पैक्ट पर्यटन गंतव्य बनने की अपार क्षमता रखता है। उन्होंने पर्यटन अवसंरचना, सामुदायिक भागीदारी, निवेश, उत्तरदायी पर्यटन और सुशासन आधारित पर्यटन मॉडल पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा, केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बना सकता है। राज्य की औद्योगिक नीति भी पर्यटन निवेश को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। **जिला केंद्रित विकास मॉडल**-'सबका प्रयास के माध्यम से विकासपरक राजनीति' विषय पर लोकसभा सदस्य शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा, जिला ही विकास का वास्तविक केंद्र होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक जिले के लिए विकासोन्मुख योजना, स्थानीय आर्थिक क्षमता के अनुरूप विकास रणनीति तथा जिला-स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद आधारित नियोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 'अमृत प्रयास', 'बनयान रिवोल्यूशन' और सहभागी शासन की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए कहा, जिला-केंद्रित विकास मॉडल उद्यमिता, रोजगार, कृषि परिवर्तन, स्थानीय नवाचार और जन-क्षमता के विकास को नई गति देगा तथा विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। समापन सत्र में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन, प्रभावी नीति-क्रियान्वयन, नेतृत्व विकास तथा लोक प्रशासन के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे।

पत्थर खदान धंसी,...

से काफी मशक्कत के बाद दबे हुए युवकों को बाहर निकाल लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। वहीं अवैध रूप से खदान के संचालन को लेकर सवाल उठाए जा रहे है। बताया जा रहा है कि सूरजपुर कोतवाली थाना अंतर्गत स्थित ग्राम लाची में अवैध रूप से पत्थर खदान संचालित है। इस खदान से प्रतिदिन ग्रामीण बड़े बड़े बोल्डर पत्थर निकालकर गिट्टी बेचने का काम करते है। रविवार की सुबह 11 बजे लाची गांव के दो युवक 20 वर्षीय जमुना प्रसाद आ. धनेश्वर प्रसाद व 20 वर्षीय जयपाल आ. जयसिंह गोंड भी खदान से पत्थर निकालने के लिए गए हुए थे। इस दौरान दोपहर लगभग 12 बजे अचानक ही खदान के अंदर एक बड़ा चट्टान और मिट्टी का मलबा भरभराकर गिर गया। खदान धंसकने से अंदर पत्थर निकाल रहे दोनों युवक मलबे में ही दब गए। चट्टान गिरने की आवाज काफी तेज थी। इस दौरान पड़ोस में मौजूद ग्रामीणों ने अपने घर से आवाज सुनी तो वे भागकर खदान के मुहाने पर पहुंचे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दबे हुए युवकों को बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। इसके साथ ही इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

अवैध रूप से...

वर्तमान में बारिश के बाद यह खदान खतरनाक हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने दोनों युवकों को खदान के अंदर जाने से मना किया था लेकिन वे नहीं माने। ऐसे में इस अवैध रूप से संचालित खदान को लेकर सवाल खड़े हो गये है।

बाघ की खाल...

सोमवार को महत्वपूर्ण खुलासा कर सकते हैं।

इंस्टाग्राम विज्ञापनों में...

दुर्व्यवहार को बढ़ावा देते हैं या उन तक पहुंच आसान बनाते हैं। यह कदम सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के उस निर्देश के एक दिन बाद उठाया गया है जिसमें उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों से मेटा को तलब करने को कहा था। पूरा मामला इंस्टाग्राम विज्ञापनों से जुड़ा है, जिन पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्री को बढ़ावा देने का आरोप है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने मेटा को भेजे नोटिस में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्रियों के विज्ञापनों के आरोपों पर स्पष्टीकरण और मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण भी मांगा है। कैलिफोर्निया मुख्यालय वाली प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के पास फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया मंच का स्वामित्व है।

सूखे पर मूसलाधार...

गर्जना, तेज हवा के साथ हुई बरसात का दौर सुबह तक चलता रहा। इस बार की वर्षा ने शहर में पिछले दस साल का रिकार्ड तोड़ने के साथ रायपुर जिले के 40 फीसदी संकट की भरपाई कर दिया। इतना ही नहीं रविवार दोपहर को इसका प्रभाव झड़ी के रूप में नजर आया और शाम साढ़े पांच बजे तक यहां 15 मिमी. से ज्यादा पानी बरस गया। बरसात केवल रायपुर जिले तक सीमित नहीं रहा इसका सर्वाधिक असर गरियाबंद जिले के राजिम में हुआ,जहां 190 मिमी.पानी बरसा। इसके साथ 37 स्टेशनों में 190 मिमी. से 50 मिमी. तक भारी वर्षा दर्ज की गई। **बड़ा असर अब बिलासपुर संभाग में**- प्रबल अवदाब के रूप में सक्रिय हो चुके सिस्टम का भारी असर सोमवार को बिलासपुर संभाग के पश्चिमी जिले तथा उससे लगे अन्य संभाग के जिलों में होने के आसार हैं। इसके अलावा अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वर्तमान में अवदाब उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर उड़ीसा-पश्चिम बंगाल तट पर स्थित है। इसके लगातार पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए उत्तर उड़ीसा और उत्तर छत्तीसगढ़ की तरफ अगले 24 घंटे में पहुंचने की संभावना है। सीजनल द्रोणिका दक्षिण पश्चिम राजस्थान से पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़, उत्तर उड़ीसा और अवदाब के केंद्र तक, 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। हवा का विंड शियर जोन 21 डिग्री उत्तर में 3.1 किलोमीटर से 7.6 कम ऊंचाई तक विस्तारित है। **पिछले साल 134 मिमी. का रिकार्ड**- रायपुर (लालपुर) मौसम विज्ञान केंद्र में पिछले साल 26 जुलाई को 134.3 मिमी. बारिश हुई थी। यहां पिछले दस साल का रिकार्ड था जो शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात हुई बरसात से ब्रेक हुआ है, यहां सुबह साढ़े आठ बजे तक 154 मिमी. बारिश हो चुकी है। लालपुर के अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों जैसे अभनपुर में 69, आरंग में 37, धरसींवा में 71, गोबरा-नवापारा में 143, खरोरा में 46, लाभांडी में 124, माना में 138, मंदिर हसौद में 83, रायपुर शहर में 153 और तिल्दा में 52 मिमी. बारिश दर्ज हुआ था।

एक साल पुराना...

लेकर तीखी बहस हुई थी। चैट्स में अनुकल्प, लवकुश पर आरोप लगा रहा था कि उसने ज्यादा रकम अपने पास रख ली और उसका पूरा हिस्सा नहीं दिया। यानी जिस रकम के लिए कथित तौर पर पूरा खेल खेला गया, उसी रकम के बंटवारे ने आरोपियों के बीच दरार भी पैदा कर दी। सूत्रों के मुताबिक, मोबाइल डेटा से पुलिस को 2 करोड़ रुपए से अधिक की कथित चोरी से जुड़ी जानकारी मिली है। अब जांच टीम इन चैट्स में लिखी रकम का मिलान बैंक खातों में हुए ट्रांजेक्शन से कर रही है। अगर चैट्स और बैंक रिकॉर्ड एक-दूसरे से मेल खाते हैं, तो यह जांच की सबसे मजबूत कड़ियों में से एक हो सकता है। **आरोपियों में शिक्षक, कार मैकेनिक और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी**- अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में प्राथमिक विद्यालय का एक शिक्षक, एक पूर्व कार मैकेनिक, एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी, दान की गिनती करने वाले ठेके के कर्मचारी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का भरोसेमंद सहयोगी शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग पेशे और सामाजिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद, आरोपियों ने मंदिर के दान प्रबंधन व्यवस्था में अपनी भूमिका का फायदा उठाकर समय-समय पर चढावे की नकदी को 'हड़प' लिया। विशेष जांच दल उनके वित्तीय लेनदेन, संपत्ति और इस कथित साजिश में उनकी अलग-अलग भूमिकाओं की जांच कर रहा है।

कोपरा में घुरवा...

(उम्र 5 से 6 वर्ष) रोज की तरह घर के सामने खेलते-खेलते इस गड्ढे के पास पहुंच गए। आशंका जताई जा रही है कि खेलते समय अचानक पैर फिसलने के कारण दोनों बच्चे करीब 10 से 12 फीट गहरे पानी में चले गए और डूब गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा राजिम-घटना की सूचना मिलते ही पांडुका थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए राजिम शासकीय अस्पताल भेज दिया है। पांडुका पुलिस का कहना है कि प्राथमिक तौर पर मामला पानी में डूबने से मौत का लग रहा है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिए।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में बिलिंग, एकाउंटिंग हेतु न्यूनतम 1वर्ष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नं-5, कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9111111377 **(41344)**

आवश्यकता है- FMCG कम्पनी में कार, कमर्शियल व्हीकल हेतु ड्राइवर-2, सेल्समैन-4 (वेतन 15000 से 25000) जूनियर, सीनियर अकाउंटेंट, स्टॉक एंट्री हेतु लड़कियां-2 चाहिए सम्पर्क करें- ब्लू sapphire डिस्ट्रीब्यूटर व्यापार विहार बिलासपुर 07752-411422 **(41343)**

आवश्यकता है- 10 चक्का हाइवा ड्राइवर रेती घाट अनुभवी ड्राइवर, हेल्पर चाहिए। हेवी लाईसेन्स आयु 25 वर्ष से ऊपर अनिवार्य। वेतन- ड्राइवर 10000/- हेल्पर 4000/- भत्ता 600/- प्रतिदिन। केवल जयराम नगर, कर्रा मस्तूरी, दर्री घाट एवं आसपास के गांवों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता, ईमानदार, जिम्मेदार, नशा मुक्त एवं वाहन की देखभाल करने वाले उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- 9109395522 **(41341)**

आवश्यकता है- बच्ची को संभालने हेतु शिक्षित महिला या लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फ्लैट नं.-304, सी-ब्लॉक सांई परिसर रामा मैग्नेटो मॉल के पास 7389640567 **(41322)**

आवश्यकता है- ऑनलाइन कम्प्यूटर अनुभवी लड़का चाहिए (जो पर्सनल असिस्टेंट और फील्ड कार्य कर सके) वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा एंटरप्राइजेज, अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226. 9238421379 **(41332)**

आवश्यकता है- CA ऑफिस में काम करने के लिए चपरासी (Peon) की आवश्यकता है योग्यता- दसवीं, बारहवीं पता- काशी कॉम्प्लेक्स लिंक रोड बिलासपुर सम्पर्क करें- 9300492291 **(41342)**

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 96910 83080, 7987423847 **(41326)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन लाइन में कार्य करने हेतु अनुभवी साइड सुपरवाइजर 2पद, एवं थोक सब्जी मंडी में कलेक्शन मैनेजर एवं सेल्समैन युवक की। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- (10am से 12pm) 98935 99044 **(41344)**

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय-10घंटे), पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(5396)**

आवश्यकता है- घर में रहकर झाड़ पोछा एवं साफ सफाई कार्य करने हेतु पुरुष कर्मचारी या लड़के की आवश्यकता है। दोपहर 12 बजे के बाद सम्पर्क करें- 9827195555 **(41334)**

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 (समय सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास, बिलासपुर 97704 10332 **(41324)**

आवश्यकता है- सनराइज पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली से छठवीं तक गणित, हिन्दी पढ़ाने के लिए शिक्षिका एव सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से दोपहर 12बजे तक 9691700427 **(41335)**

आवश्यकता है- बालमुकुन्द उच्च. माध्य. विद्यालय भारतीय नगर चौक तालापारा बिलासपुर में निम्न पदों की आवश्यकता है चपरासी- 1पद (वेतन 4अंको में) शिक्षक- कला संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, वाणिज्य संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, रसायन शास्त्र (अंग्रेजी माध्यम) 1पद हिन्दी व्याख्याता 1पद, अंग्रेजी सहायक शिक्षक TGT प्राथमिक, विज्ञान हेतु बीएड, टेट उत्तीर्ण उम्मीदवार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9329875378 **(41325)**

आवश्यकता है-गिफ्ट शोरूम में काम करने के लिए लड़को, लड़कियों तथा जिसे कार्टून पैकिंग का अनुभव हो एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें-प्रणभ तोलानी 7711006641 **(41257)**

आवश्यकता है- निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक में पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से 7बजे, प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल डिजिटल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेन्टर, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911027 **(41329)**

आवश्यकता है- बाइक ऑटो पार्ट्स (एक्सेसरीज) दुकान में काम करने हेतु सेल्समैन, हेल्पर और सॉफ्टवेयर ऑपरेटर (बीजी) चाहिए। नोट- वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7869523344, 7301717175 **(41328)**

आवश्यकता है- बिलासपुर एवं मस्तूरी स्थित ऑफिस में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट की आवश्यकता है। जिसे टैली एवं एक्सेल की जानकारी हो। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9425549722 **(0160)**

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 72258 88800 **(095)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 87705 08791, 8982834337 **(529)**

आवश्यकता है- बच्चे के साथ रहने के लिए महिला की आवश्यकता है समय दोपहर 12बजे से 8.30 बजे तक सम्पर्क 9425899221 स्थान इन्दु चौक के पास बिलासपुर **(41321)**

Requirment- Manager Qualification Roles And Responsibilities- Genral Administration Statutory Compliances Legal Matters Salary Will be Commensurate With Qualification And Experience Intersted Candidate may send Resume Mo 8283848502 **(41317)**

आवश्यकता है- BUSY Software Operator (Transport Billing) प्रतिष्ठित ट्रांसपोर्ट फर्म को BUSY Software Operator की आवश्यकता है। योग्यता- BUSY Software पर Billing / Accounting का अनुभव Transport Billing, Challan, Invoice, LR का ज्ञान MS Excel एवं Computer का सामान्य ज्ञान, ट्रांसपोर्ट लाइन का अनुभव वांछनीय वेतन- अनुभव अनुसार आकर्षक। सम्पर्क करें- 93014 89299 **(41315)**

आवश्यकता है-यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 97533 11111 **(612)**

आवश्यकता है- प्लाईवुड दुकान में अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Busy Software आता हो। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- आहूजा ट्रेडर्स, सरकंडा बिलासपुर 70004 84949, 6267343749 **(41318)**

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 91110 00881, 8889823100 **(41295)**

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) वेतन योग्यता अनुसार, रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षा गार्ड वेतन 10000 से 18000 रहना फ्री। सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्योरिटी सर्विस हेमू नगर बिलासपुर 98271 52819, 8349974442, 9754713125 **(41237)**

आवश्यकता है-बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु अविवाहित युवक चाहिए सम्पर्क करें- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 **(41283)**

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-89294 49955 **(63586)**

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(41302)**

बेचना

बेचना है- बिलासपुर में आकाश मार्ग, शुभम विहार उस्लापुर में सर्वसुविधायुक्त 1280 वर्गफीट में निर्मित 4BHK डुप्लेक्स मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7697590551 **(41323)**

बेचना है- रायपुर रोड छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड पर 50×200= 10000 वर्गफिट व्यावसायिक डायवर्टेड बाऊन्ड्रीवाल किया हुआ प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9340685602 **(41330)**

बेचना है- श्रीं अम्बा टावर्स फेस 1 में 2BHK फ्लैट, 4th फ्लोर लिफ्ट सुविधा उपलब्ध। बेचना है, अथवा किराये (सरकारी कर्मचारी कोप्राथमिकता) से देना हैं, L-2 विद्या नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 7415651736 **(41327)**

बेचना है- दुकान बेचना है शनिचरी पड़ाव में 8×12 साईज की तीन मंजिला दुकान वर्तमान की स्टेशनरी की चालू हालत में जमीं जमाई दुकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9131452265, 9827473604 **(41336)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

किराया

किराया- 600 वर्गफिट का हाल छोटे व्यवसाइयों को किराए से देना है। आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे, नूतन चौक के पास सरकंडा में (पार्किंग सुविधा) सहित सम्पर्क करें- 9329879789, 9303483227 **(41331)**

किराया- बिलासपुर में उस्लापुर के पास मेन रोड के किनारे सागर होम्स कालोनी फेस-॥ में मकान नम्बर ए-94 के प्रथम तल पर 2BHK. परिवार वाले या छात्राओं को प्राथमिकता। सम्पर्क- 9993283308 **(41314)**

फाइनेन्स

लोन-Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन, मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन,लोन ट्रांसफर (BT),होम लोन, केसीसी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता- शॉप नं.-231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.-नुरज सिंह राजपुत 7587287565, 91650 58207, 83139119645 **(307)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्वीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

70वें मिनट में एमबाप्पे का 'मास्टरस्ट्रोक'

फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराया क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का

एमबाप्पे का 19वां वर्ल्ड कप गोल पराग्वे का सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| फिलाडेल्फिया

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने पांव का जादू दिखाते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से पराजित करके विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पराग्वे के खिलाड़ियों ने एमबाप्पे को खुलकर खेलने से रोके रखा और इस बीच उन्हें भड़काने की भी कोशिश की। यह दिग्गज खिलाड़ी हालांकि शांत बना रहा और इस बीच मुस्कुरा कर खेल का पूरा आनंद भी लेता रहा। यही वजह थी कि जब फ्रांस को 70वें मिनट में पेनल्टी मिली तो उन्होंने बड़ी सहजता से पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को छकाकर उस पर गोल कर दिया। एमबाप्पे के विश्व कप करियर का यह 19वां गोल था, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में फ्रांस

भीषण गर्मी में खेले गए इस मैच में एमबाप्पे के इस गोल ने फ्रांस को लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। एमबाप्पे ने बाद में कहा, 'हम जानते थे कि इस मैच में क्या होने वाला है। हम भी आक्रामक हो सकते थे लेकिन हम जानते हैं कि कैसे खेलना है। हमें पता है कि आक्रामक फुटबॉल कैसे खेलते हैं। शायद वे सोच रहे थे कि हम सूट-बूट में आएंगे, लेकिन हम तैयार थे।' फ्रांस क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में मोरक्को का सामना करेगा।

मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे एमबाप्पे

एमबाप्पे सभी विश्व कप में कुल मिलाकर सर्वाधिक गोल करने के मामले में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के करियर रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। इस टूर्नामेंट में एमबाप्पे और मेस्सी दोनों के सात-सात गोल हैं और वे 'गोल्डन बूट' की दौड़ में शीर्ष पर हैं। एमबाप्पे ने पिछले विश्व कप में यह पुरस्कार जीता था लेकिन तब उनकी टीम फाइनल में अर्जेंटीना से हार गई थी।

तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में एमबाप्पे ने किए तीन गोल

एमबाप्पे इसके साथ ही पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल किए हैं। फ्रांस की जीत का अंतर अधिक हो सकता था लेकिन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरे हाफ में एमबाप्पे के एक बेहतरीन प्रयास को नाकाम किया और ओस्मान डेम्बेले को भी गोल करने से रोका।

मोरक्को ने कनाडा के जादुई अभियान को रोका, अंतिम 8 में शानदार प्रवेश

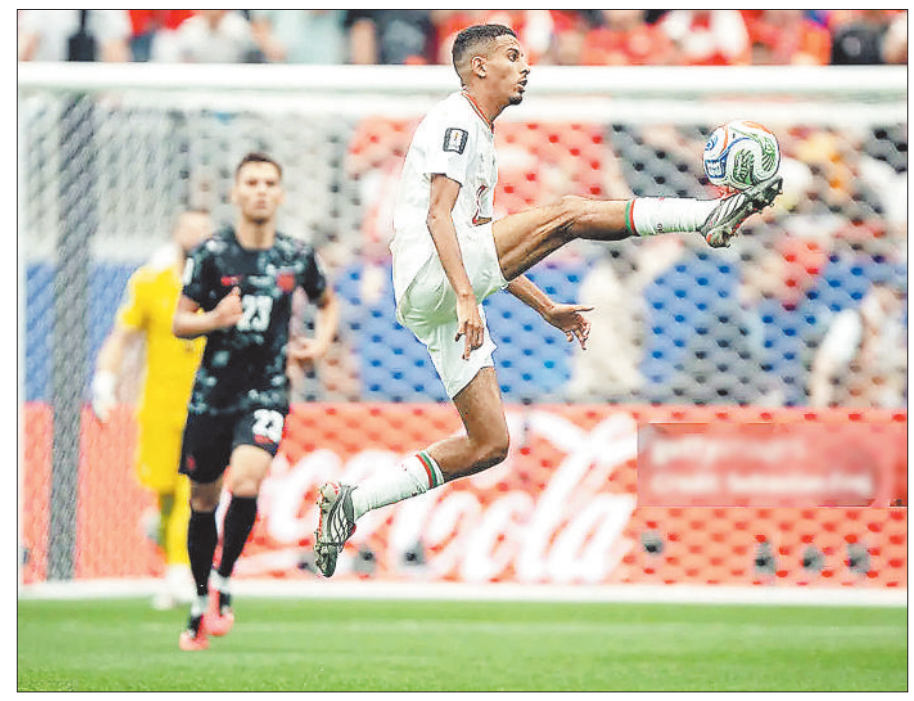

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अजेदीन ओउनाही के दो गोल की मदद से मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराया और इस तरह से वह विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में एक से अधिक बार पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। पहला हाफ गोलरहित छूटने के बाद मोरक्को ने अपना असली रंग दिखाया और दनादन तीन गोल करके सह मेजबान कनाडा का जादुई अभियान आगे नहीं बढ़ने दिया। ओउनाही ने 50वें और 82वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से तीसरा गोल सोफियान रहीमी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में किया।

कनाडा नहीं उठा पाया अवसरों का फायदा

कनाडा ने भी अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह अवसरों का फायदा नहीं उठा पाया। इसके बावजूद कनाडा के लिए यह विश्व कप यादगार बन गया, क्योंकि वहां फुटबॉल लोकप्रिय नहीं है और वहां के लोगों पर आइस हॉकी का जादू सर चढ़कर बोलता है। यही कारण है कि उसके कोच जेसी मार्श टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। मार्श ने कहा, 'यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि कनाडा की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मुकाम पर है,जिसकी 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लोगों में गजब का उत्साह है और इसलिए अब हर कोई कहेगा कि अगले विश्व कप में राउंड ऑफ 16 से नीचे आना असफलता है।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ बनी रोचक

फिलाडेल्फिया। फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे ने पराग्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी किक पर गोल दागकर अपने विश्व कप करियर का 19वां और मौजूदा टूर्नामेंट का सातवां गोल करके अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ रोचक बना दी। इन दोनों खिलाड़ियों ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक सात-सात गोल किए हैं और वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे हैं। नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड और इंग्लैंड के हैरी केन पांच-पांच गोल के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अगले स्थान पर हैं। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेस्सी ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक 20 गोल किए हैं और इस तरह से एमबाप्पे इस रिकॉर्ड के मामले में उनसे केवल एक गोल पीछे हैं। यही नहीं एमबाप्पे का विश्व कप के नॉकआउट राउंड में यह 11वां गोल था और इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया। वह तीन विश्व कप में से प्रत्येक के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

खबर संक्षेप

बीएमडब्ल्यू इंटरनेशलः कट से चूके शुभंकर

म्यूनिख। शुभंकर शर्मा लंबे ब्रेक के बाद वापसी करते हुए यहां बीएमडब्ल्यू इंटरनेशनल ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट से चूक गए। शुभंकर ने लगातार दो दौर में 73 का स्कोर बनाया, जो उन्हें कट में जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा। जर्मनी के थॉमस रोसेम्युलर सात अंडर 65 के दिन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ खिताब की दौड़ में शामिल हो गए है। उनका कुल स्कोर 11 अंडर है और वह संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं रोसेम्युलर संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे बर्नड वीसबर्गर और माइकल होलिक से दो शॉट पीछे हैं। इन दोनों का कुल स्कोर 13 अंडर है।

खिताबी दौड़ में बरकरार दीक्षा और अदिति अशोक

हुलेनकोर्ट। गोल्फर दीक्षा डागर और अदिति अशोक ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के तीसरे दौर के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचकर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी बनाए रखी है। दीक्षा ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) के इस टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को कायम रखते हुए एक अंडर 71 और अदिति ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। दोनों ओलंपियन का कुल स्कोर पांच अंडर 211 है और वे तालिका में शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट से पांच स्ट्रोक पीछे हैं। बेनेट ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला और कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने स्पेन की कैरोलिना चकार्रा पर दो स्ट्रोक की बढ़त बना ली है। दीक्षा ने दूसरे और नौवें होल पर बर्डी लगाई,

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| लंदन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी (64 रन) के अर्धशतक और फोबे लिचफील्ड (48 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी से रविवार को महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को 17 गेंद रहते 7 विकेट से शिकस्त देकर सातवां खिताब अपने नाम किया। मूनी ने 49 गेंद का सामना करते हुए 10 चौके जमाए जबकि लिचफील्ड ने 13वें ओवर की अंतिम गेंद पर आउट होने से पहले 35 गेंद की तेज तर्रार पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.1 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाकर आसान जीत हासिल की।

मूनी और लिचफील्ड ने जॉर्जिया वोल (09) के दूसरे ओवर में लॉरेन बेल की गेंद पर बोल्ड होने के बाद जिम्मेदारी से खेलते हुए इंग्लैंड की गेंदबाजों के खिलाफ आराम से रन जुटाते हुए 67 गेंद में शतकीय भागीदारी निभाई। पर 13वें ओवर में चार्ली डीन की अंतिम गेंद पर लिचफील्ड के लेग स्टंप उखड़ गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 117 रन पर दूसरा विकेट गंवाया। उनके आउट होने से पहले मूनी ने 38 गेंद में सात चौके की मदद से अपना पचासा पूरा कर लिया था। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा अर्धशतक भी था। इस तरह वह महिला टी20 विश्व कप के तीन अलग चरण में तीन या इससे ज्यादा बार 50 रन से अधिक का स्कोर बना चुकी हैं।

हमें इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुरुप ढलना होगा : किशन

मैनचेस्टर। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का मानना है कि भारत को इंग्लैंड की परिस्थितियों में बेहतर तरीके से ढलना होगा और बीच के ओवरों में धीमी गति से बल्लेबाजी करने की समस्या से निजात पाना होगा, जिसके कारण उसे यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हार का सामना करना पड़ा। भारत अपने पिछले चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है। किशन ने कहा, 'बिल्कुल उनके पास गेंदबाजी के सबसे अच्छे विकल्प होंगे। उन्हें परिस्थितियों की बेहतर समझ होगी। लेकिन हम भी सुधार की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके खिलाड़ी हमारे खिलाफ क्या कर रहे हैं क्योंकि उनके पास ज्यादा जानकारी है।

आजम फिर बने टेस्ट टीम के कप्तान, मसूद बर्खास्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शान मसूद को टेस्ट टीम की कप्तानी से बर्खास्त करके उनकी जगह बाबर आजम तो फिर से कमान सौंपी है। मसूद को कप्तान पद से हटाना तय लग रहा था क्योंकि पाकिस्तान ने उनकी कप्तानी में जो 18 टेस्ट मैच खेले उनमें से 12 में उसे हार का सामना करना पड़ा। मसूद ने 2023 के शुरू में बाबर से कप्तानी संभाली थी। चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा, 'हम एक ऐसे कप्तान की तलाश में थे, जो टीम का बेहतर नेतृत्व कर सके। शान का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन कप्तान के तौर पर हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे थे।'

टेस्ट सीरीजः श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण की उड़ाई धज्जियां

एजेंसी ▶▶| नॉर्थ साउंड

सोनल दिनुशा (92) और कुसल मेंडिस (69) ने छठे विकेट के लिए 143 रन की साझेदारी की, जिससे श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 549 रन बनाकर समाप्त घोषित की।

वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 1 विकेट पर 58 रन बनाए थे और वह अब भी श्रीलंका से 491 रन पीछे है। उसने जल्द ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (17) का विकेट गंवा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैंपबेल 31 और कैवेम हॉज छह रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट एक पारी और 217 रन से जीतकर दो मैचों की श्रृंखला में बढ़त बना रखी है। दिनुशा और मेंडिस ने लाहिरु उदरा और कामिंदु मेंडिस की रखी नींव को आगे बढ़ाया।

विंबलडन

ज्वेरेव की क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने पर नजर

एजेंसी ▶▶| लंदन

विंबलडन में दूसरे सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिकी खिलाड़ी मार्कोस गिरोन के खिलाफ 6-2, 7-6(4), 6-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ज्वेरेव ने अपने करियर में चौथी बार ऑल इंग्लैंड क्लब में चौथे राउंड में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, जर्मन खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ विंबलडन पहुंचे, हालांकि उन्होंने माना कि ग्रास (घास) उनका सबसे कम पसंदीदा सरफेस है। वह एसडब्ल्यू19 में कभी भी चौथे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन उनके हालिया प्रदर्शन से संकेत मिला कि शायद वह अब आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

ज्वेरेव ने अपनी सर्विस में लगाए 17 ऐस

29 वर्षीय ज्वेरेव ने अपनी सर्विस के दम पर एक और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मुकाबले में 17 ऐस लगाए और पहली सर्विस पर खेले गए 70 में से 54 अंक (77 प्रतिशत) अपने नाम किए। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी गिरोन ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन ज्वेरेव ने उनके खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। उन्होंने गिरोन के खिलाफ सभी पांच मुकाबले जीते हैं और दोनों के बीच खेले गए 14 सेटों में से 13 अपने नाम किए हैं।

ग्रैंड चेस टूर : ब्लिट्स वर्ग में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

रैपिड वर्ग वाला शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶| जागरेब

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती 9 दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए।

इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है। अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारुप में कमाल का खेल दिखाया और 9 में से 8 अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है।

प्रज्ञानानंदा चौथे स्थान पर खिसके

प्रज्ञानानंदा 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

प्रज्ञानानंदा ने ब्लिट्ज वर्ग में खोई लय

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानानंदा ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानानंदा ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानानंदा से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है।

दुनिया भर में प्रसिद्ध कुछ ऐसे ब्रांडेड एक्सेसरीज, जिनके पीछे छिपी हैं अनोखी कहानियां

फैशन की दुनिया में कुछ एक्सेसरीज ऐसी होती हैं, जिन्हें पाना हर किसी का सपना होता है। ये न केवल अपनी डिजाइन और गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनके पीछे की कहानियां भी बहुत दिलचस्प होती हैं। इन एक्सेसरीज की खासियत इन्हें अन्य सामानों से अलग बनाती है और इन्हें एक खास पहचान देती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसी मशहूर एक्सेसरीज के बारे में बताते हैं, जिनके पीछे की कहानियां जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

गुच्ची बैग

गुच्ची एक ऐसा नाम है, जो अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि गुच्ची बैग की शुरुआत एक छोटे से कारखाने से हुई थी? यह कारखाना इटली के फ्लोरेंस शहर में स्थित था और यहां पहले चमड़े के उत्पाद बनाए जाते थे। धीरे-धीरे गुच्ची बैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनियाभर में पहचान बनाई। आज गुच्ची बैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं।

रोलेक्स की घड़ी

रोलेक्स की घड़ियां दुनिया भर में समय बताने के साथ-साथ स्टाइल का प्रतीक भी बन गई हैं। इनकी खासियत सिर्फ समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके पीछे एक लंबी कहानी है। रोलेक्स की शुरुआत 1905 में लंदन से हुई थी, जब हंस विल्सडॉर्फ नामक एक युवा उद्यमी ने इस ब्रांड की शुरुआत की थी। उन्होंने सबसे पहले पेरिस में अपनी घड़ियों को बेचना शुरू किया और फिर धीरे-धीरे रोलेक्स ने अपनी पहचान बनाई।

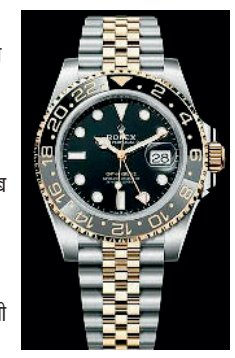

चैनल हैंडबैग

चैनल हैंडबैग फैशन की दुनिया में एक अहम स्थान रखता है। इस ब्रांड की शुरुआत कोको चैनल ने 1910 में फ्रांस में की थी। उनके द्वारा बनाए गए पहले हैंडबैग बहुत सरल दिखते थे, लेकिन उनकी गुणवत्ता बेहतरीन थी। धीरे-धीरे इन हैंडबैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनिया भर में पहचान बनाई। आज चैनल हैंडबैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। ये न केवल फैशन, बल्कि इतिहास का भी हिस्सा हैं।

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे अपने अनोखे डिजाइन और गुणवत्ता के लिए मशहूर हैं। इनकी शुरुआत 1980 में इटली में हुई थी, जब डोमेनिको डोल्से और स्टेफानो गब्बाना ने यह ब्रांड खोला था। डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे ने जल्द ही अपनी पहचान बनाई और आज ये एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। इन एक्सेसरीज की कहानियां हमें सिखाती हैं कि सफलता केवल गुणवत्ता और डिजाइन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मेहनत और समर्पण भी जरूरी है।

रोचक खबरें

सबसे खतरनाक बकरी, एक ही टक्कर में ले जाएंगे यमराज

नई दिल्ली। आप सोच रहे होंगे कि बकरी क्या खतरनाक हो सकती है? लेकिन, मध्य एशिया की पहाड़ियों में एक ऐसी बकरी रहती है जिससे बड़े-बड़े शिकारी भी कांपते हैं। इसका नाम है मारखोर। इसे स्नेक ईटर या पहाड़ों का राजा भी कहा जाता है। इसके घुमावदार सींग और चट्टानों पर दौड़ने की क्षमता इसे दुनिया की सबसे अनोखी और खतरनाक बकरियों में शुमार करती है। मारखोर मुख्य रूप से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, भारत और उज्बेकिस्तान की ऊंची पहाड़ियों में पाया जाता है। यह 600 से 3600 मीटर की ऊंचाई तक रह सकता है। जिन खड़ी पहाड़ियों पर दूसरे जानवर फिसलकर गिर जाते हैं, वहां मारखोर आराम से भागता-दौड़ता है। इसके खुर खास तरह के होते हैं जो चट्टानों पर मजबूत पकड़ बनाते हैं। यह खड़ी दीवारों, संकरी लेज पर दौड़ सकता है और यहां तक कि पेड़ों पर भी चढ़ जाता है। मारखोर के नर के सींग 160 सेंटीमीटर (लगभग 5 फीट) तक लंबे हो सकते हैं। ये घुमावदार, कॉर्कस्क्रू की तरह होते हैं। ये सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि हथियार भी हैं। मादा-मादा या क्षेत्र के लिए लड़ाई में ये सींग घातक साबित होते हैं। एक जोरदार टक्कर में दूसरे जानवर के सिर या शरीर पर गहरी चोट लग सकती है।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है। इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है।

भारत की सिल्क साड़ियां दुनियाभर में मशहूर

कीमत 40 हजार से 17 लाख तक

भारत में साड़ी सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि परंपरा, संस्कृति और शान की पहचान है। शादी-ब्याह हो, त्योहार हो या कोई छोटी-मोटी पूजा-पाठ, महिलाओं की पहली पसंद अकसर साड़ी ही होती है। खास कर सिल्क की साड़ियां। कांजीवरम और बनारसी साड़ियों के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों की कई ऐसी सिल्क साड़ियां भी हैं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती और बारीक कारीगरी से दुनियाभर में पहचान बनाई है। हर महिला की अलमारी में इन 10 मशहूर सिल्क साड़ी तो जरूर होनी चाहिए।

कांजीवरम सिल्क साड़ी (तमिलनाडु) : तमिलनाडु के कांचीपुरम शहर में बनने वाली कांजीवरम साड़ी को 'साड़ियों की रानी' कहा जाता है। मलबरी सिल्क के धागों से तैयार की जाने वाली इस साड़ी में बॉर्डर और पल्लू अलग बुने जाते हैं और बाद में उसे साड़ी में जोड़े जाते हैं।

बनारसी सिल्क साड़ी (उत्तर प्रदेश)

भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सिल्क साड़ियों में बनारसी साड़ी का नाम सबसे ऊपर आता है। वाराणसी में बनने वाली इस साड़ी को जीआई टैग प्राप्त है। बनारसी साड़ी की बुनाई में शुद्ध रेशम के धागों के साथ सोने-चांदी वाली जरी का इस्तेमाल किया जाता है। एक बनारसी साड़ी को तैयार करने में 15 दिन से लेकर 6 महीने तक लग सकते हैं। लोगों का कहना होता है कि बाकी सिल्क की साड़ियों के मुकाबले बनारसी सिल्क सबसे शुद्ध होता है।

मूंगा सिल्क (असम)

असम की मूंगा सिल्क दुनिया की सबसे दुर्लभ प्राकृतिक सिल्क में गिनी जाती है. मूंगा रेशम विशेष कीड़ों से प्राप्त होता है जो केवल असम के मौसम में पनपते हैं। ये सिल्क इसलिए भी खास है क्योंकि इसकी प्राकृतिक सुनहरी चमक कभी फीकी नहीं पड़ती और ये हमेशा वैसा ही नए जैसा दिखता है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1500 डॉलर से 6000 डॉलर (1.2 लाख से 5 लाख रुपए) तक हो सकती है।

बालूचरी सिल्क (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की बालूचरी साड़ियों पर पौराणिक कथाओं और परंपराओं को धागों से उकेरा जाता है। साड़ी के पल्लू और बॉर्डर पर रामायण, महाभारत और लोककथाओं के दृश्य बुने जाते हैं। बालूचरी सिल्क को जीआई दर्जा मिला हुआ है। इसकी कीमत 25 हजार से 2 लाख रुपए और उससे ज्यादा तक हो सकती है।

पटोला सिल्क (गुजरात) : पटोला भारत की सबसे मुश्किल डबल इकट बुनाई वाली साड़ियों में शामिल है। इसके धागों को पहले रंगा जाता है, फिर डिजाइन के अनुसार बुना जाता है। एक साड़ी बनाने में कई महीने लग सकते हैं। पटोला को भी जीआई टैग प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय कीमत 2000 डॉलर से 15,000 डॉलर (1.5 लाख से 12 लाख रुपए) तक या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

बोमकई सिल्क (ओडिशा)

ओडिशा की बोमकई साड़ी पारंपरिक जनजातीय कला और रेशम का शानदार मेल है। बोमकई सिल्क पर हाथों से बेहद बारीक बुनाई की जाती है। इसमें मछली, पक्षी और लोककला आधारित डिजाइन प्रमुख होते हैं। बोमकई साड़ी को जीआई टैग दिया गया है। इसकी कीमत 20 हजार से 1.5 लाख रुपए हो सकती है।

लोटस सिल्क साड़ी (मणिपुर)

दुनिया की सबसे दुर्लभ और महंगी सिल्क साड़ियों में लोटस सिल्क का नाम शुमार है। इसको बनाने के लिए रेशम के कीड़ों की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि अनोखे तरीके से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए कमल के तनों के अंदर मौजूद महीन रेशों को सावधानी से निकाल कर तैयार किया जाता है। एक साड़ी बनाने के लिए लगभग हजारों कमलों के डंठलों

भारत की इस जगह आज भी राम राज्य

कोहिमा। आज कलियुग चल रहा है। राम राज्य में लोग काफी ईमानदार होते थे। उस समय चोरी, धोखेबाजी जैसी चीजें नहीं थी। लेकिन, अब इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है। लेकिन, भारत के नागालैंड में आपको ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जिसके बाद लगेगा कि यहां आज भी राम राज्य चल रहा है। यहां लोग इतने ईमानदार हैं कि दुकानों में दुकानदार के रहने की जरूरत नहीं होती। सोशल मीडिया पर नागालैंड घूमने आए कई टूरिस्ट्स इसका वीडियो बनाकर शेयर करते हैं। यहां आपको कई दुकानें मिल जाएगी, जहां सामान रखा है, लेकिन कोई दुकानदार नहीं है। लोग अपनी जरूरत की चीजों को उठाकर स्कैनर में या कैशबॉक्स में पैसे डाल देते हैं। नागालैंड की यह अनोखी ईमानदारी पूरे देश के लिए मिसाल है। खासकर छोटे गांवों और कुछ शहरों की दुकानों में यह व्यवस्था आम है। पर्यटक जब यहां घूमने जाते हैं तो इस सिस्टम को देखकर हैरान रह जाते हैं।

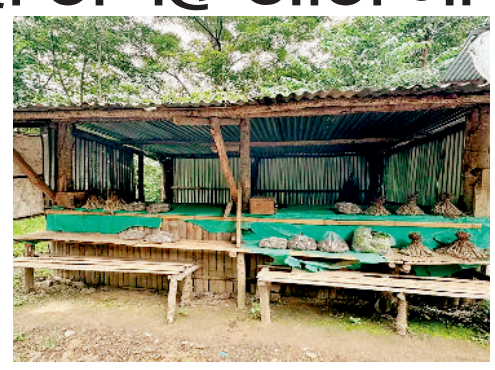

नागालैंड की संस्कृति और ईमानदारी

नागालैंड पूर्वोत्तर भारत का एक सुंदर राज्य है। यहां की जनजातियां अपनी परंपराओं, ईमानदारी और सामुदायिक जीवन के लिए जानी जाती हैं। लोग एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। सामुदायिक मूल्य इतने मजबूत हैं कि कोई गलत काम करने से पहले दस बार सोचता है। यहां अपराध दर भी कम है। पर्यटक बताते हैं कि ना सिर्फ दुकानें, बल्कि अन्य सेवाओं में भी यह भरोसा दिखता है। टैक्सी वाले सही किराया लेते हैं, होमस्टे मालिक अतिरिक्त चार्ज नहीं करते। यह व्यवस्था आधुनिक दुनिया में विरले ही देखने को मिलती है।

कैसे चलती है दुकान?

यहां कई दुकानें हैं जो दिनभर खुली रहती है। यहां सामान रखा रहता है। ग्राहक खुद दुकान में घुसकर सामान चुनता है। कीमत चेक करने के लिए स्कैनर या प्राइस लिस्ट का इस्तेमाल करता है। इसके बाद पैसे कैशबॉक्स में डालता है या ऑनलाइन पेमेंट करता है। अगर जरूरत हो तो चेंज खुद ले लेता है। दुकानदार आसपास के काम में व्यस्त रहता है। शाम को गिनती करके देखता है कि सब ठीक है। चोरी के मामले बेहद कम या ना के बराबर होते हैं।

मशरूम जैसी 5 आंखें, हाथी जैसी सूंढ़!

नई दिल्ली। सोचिए एक ऐसा जीव जिसकी 5 आंखें हों, हाथी जैसी सूंड हो, लेकिन साइज में वो आपकी एक उंगली जितना छोटा हो। सुनने में यह किसी साइंस फिक्शन मूवी का एलियन लग सकता है, लेकिन आज से करीब 50.5 करोड़ साल पहले हमारी धरती के समंदरों में सच में ऐसा एक अजीबोगरीब जीव राज करता था। इसका नाम ओपबीनिया है। कैम्ब्रियन काल का यह अनोखा जीव आज के किसी भी जानवर से मेल नहीं खाता।

ओपबीनिया के सिर पर डंठल जैसी 5 आंखें होती थीं, जो देखने में छोटे मशरूम या बल्ब जैसी लगती थीं। इनमें से दो आंखें आगे, दो पीछे और एक बिल्कुल बीच में हुआ करती थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन 5 आंखों की मदद से इसे 360 डिग्री व्यू मिलता था, जिससे यह चारों तरफ नजर रखकर अपने शिकारियों से बच जाता था।

सिर के पीछे और नीचे की तरफ मुंह

इस जीव का मुंह सीधा आगे नहीं, बल्कि सूंड के नीचे सिर के पिछले हिस्से में नीचे की तरफ होता था। यानी यह सीधे मुंह से शिकार नहीं निगलता था, बल्कि सूंड से पकड़कर खाने को पीछे की तरफ खींचकर खाता था।

सौंदर्य सामग्रियों

लोग पारंपरिक सामग्रियों के बजाय अनोखे विकल्पों की तलाश करते हैं

कई देशों में सुंदरता के लिए इस्तेमाल की जाती हैं अजीबो-गरीब सामग्री

जब बात सुंदरता की आती है तो कई लोग पारंपरिक सामग्रियों के बजाय अनोखे विकल्पों की तलाश करते हैं। दुनिया भर के अलग-अलग देशों में कुछ ऐसी अजीबो-गरीब सौंदर्य सामग्रियां इस्तेमाल होती हैं, जिनका नाम सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। इन सामग्रियों का इस्तेमाल न केवल त्वचा की देखभाल के लिए किया जाता है, बल्कि बालों की देखभाल और स्वास्थ्य के लिए भी किया जाता है। आइए इन अजीबो-गरीब सौंदर्य सामग्रियों के बारे में जानते हैं।

दक्षिण कोरिया: घोंघे का सीरम

दक्षिण कोरिया में घोंघे का सीरम इस्तेमाल होता है। यहां के लोग घोंघे के शरीर से निकलने वाला पदार्थ इस्तेमाल करते हैं, जो त्वचा की मरम्मत करने और इसे निखारने का काम करता है। यह सीरम त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ रखता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे मुलायम बनाता है। इस सीरम का उपयोग न केवल त्वचा की देखभाल के लिए, बल्कि बालों की देखभाल के लिए भी होता है।

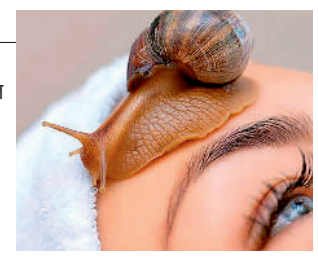

न्यूजीलैंड: मैनुका शहद

न्यूजीलैंड में मैनुका शहद का उपयोग होता है। यह शहद मैनुका पेड़ के फूलों से बनाया जाता है और इसमें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद तत्व होते हैं। इसका इस्तेमाल त्वचा की जलन, घावों और संक्रमण को ठीक करने में मदद करता है। मैनुका शहद का उपयोग न केवल खाने में होता है, बल्कि इसे फेस मास्क, स्क्रब और मॉइस्चराइजर के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। यह त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है।

जापान: रेशम

जापान में रेशम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे बनाने के लिए कीड़ों का उपयोग होता है। यह रेशम त्वचा को मुलायम और चमकदार बना सकता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे हाइड्रेटेड बनाए रखने में मदद करता है। रेशम का उपयोग जापान में सदियों से होता आ रहा है और इसे पारंपरिक कपड़ों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे महिलाएं चेहरे पर लगाना ज्यादा पसंद करती हैं।

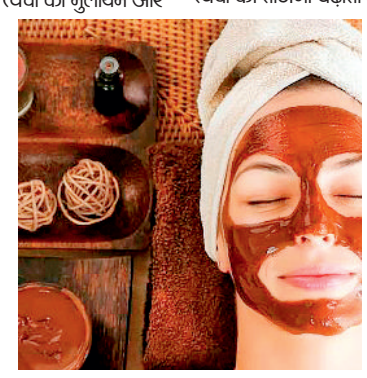

फ्रांस: चॉकलेट

फ्रांस में चॉकलेट फेस मास्क का उपयोग होता है। इसमें कोको पाउडर होता है, जो त्वचा की ताजगी बढ़ाता है और इसे नमी प्रदान करता है। चॉकलेट फेस मास्क त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। इसके अलावा यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और इसे मुलायम बनाता है। चॉकलेट फेस मास्क का उपयोग न केवल त्वचा की देखभाल के लिए होता है, बल्कि बालों की देखभाल के लिए भी होता है।

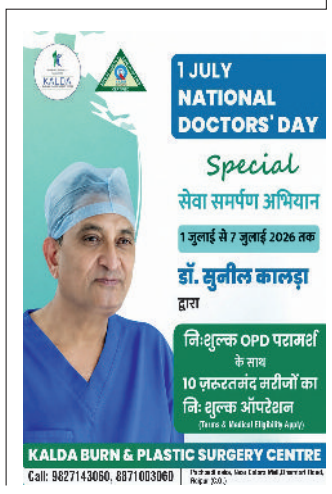

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :